



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 18, 1978 (माघ 29, 1899)  
No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 18, 1978 (MAGHA 29, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० ए० 12019/4/77-प्रशा० II—श्रीमती सुधा भार्गव, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) (तदर्थ) के अवकाश प्रदान किए जाने के कारण उनके स्थान पर इस कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्री चन्द किरण को 12-12-1977 से 33 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा० II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27 दिसम्बर, 1977 में आशिक संशोधन करते हुए निम्नलिखित व्यक्तियों को 31-12-77 (अपराह्न) से उनके नाम के सामने उल्लिखित पदों पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

नाम	जिस पद पर प्रत्यावर्तित हुए
1. श्री वी० आर० गुप्ता	अनुभाग अधिकारी (त० सं०) तदर्थ
2. श्रीमती डी० जे० लालवानी	सहायक अधीक्षक (हाल०)

1-466GI/77

(789)

सं० ए० 12025/1/77-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भारतीय कृषि अनुसन्धान सांख्यिकी के स्थायी सांख्यिकी सहायक श्री भरतसिंह को 13 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रोग्रामर के अस्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/2/77-प्रशा० I (i)—आकाशवाणी महानिदेशालय में सहायक योजना अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव श्री वी० एन० वैद्यनाथन को अद्यतन संशोधित संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के प्रावधान के अनुसार अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 16-1-1978 के पूर्वाह्न से 28-2-78 तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/2/77-प्रशा० I (ii)—कालीकट क्षेत्रीय इंजीनियरी कालिज, कालीकट में लेक्चरर तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव डा० आर० भास्करन को अद्यतन संशोधित संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4

के प्रावधान के अनुसार अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 16-1-1978 के पूर्वाह्न से 28-2-1978 तक, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 35077/1/77-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 35017/1/77-प्रशा० II दिनांक 28 फरवरी, 1977 के अनुक्रम में महालेखाकार, केरल के कार्यालय में लेखा अधिकारी श्री एन० विश्वनाथन को 14-1-78 (अपराह्न) से एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त के आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री विश्वनाथन को प्रतिनियुक्ति की बढ़ाई गई अवधि के लिए कोई प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता नहीं मिलेगा।

यह वित्त मन्त्रालय (व्यय विभाग) की अनुमति से अधिसूचित किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी  
अवर सचिव  
कृते सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० ए० 32014/1/77 प्रशा० 1—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थायी वैयक्तिक सहायक और जो इस समय ग्रेड ग स्टेनोग्राफर के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं उनको, प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	नाम	अवधि
1. श्री एस० पी० मेहरा	2-1-1978 से 28-2-1978 तक	
2. श्री ओ० पी० देवरा	2-1-1978 से 20-2-1978 तक	

उपर्युक्त अधिकारियों को यह अवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का उनका कोई हक नहीं होगा।

प्र० ना० मुखर्जी,  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

(केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो)

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० ए० 19019/1/78-प्रशा० 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री ई० एन० रेनीमन, भारत पुलिस सेवा (गुजरात-1952) को दिनांक 12/1/78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 जनवरी 1978

सं० ए० 19514/2/77-प्रशा० 5—छुट्टी समाप्त हो जाने पर, श्री भूदेव पाल स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवायें दिनांक 2-1-78 के पूर्वाह्न से गृह मन्त्रालय को सौंप दी गई हैं।

दिनांक 31 जनवरी 1978

सं० ए-19021/9/75-प्रशासन-5—श्री डी० एन० सहाय, भारतीय पुलिस सेवा (बिहार) ने दिनांक 17-6-77 के अपराह्न में पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, पटना में पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाये राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई थी।

ए० के० हई,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 25 जनवरी 1978

सं० प्रो० दो० 1330/76-स्थापना—श्री ए० एन० सहगल ने उनके दिल्ली प्रशासन में प्रत्यावास होने के फलस्वरूप, उप-पुलिस अधीक्षक, आई० एस० ए०, के० रि० पु० दल पद का कार्यभार 31-12-77 अपराह्न) को त्याग दिया।

सं० ओ०-II-1079/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर एन० नागराज राव को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 6-1-78 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
महायक निदेशक  
(प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-24, दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० ई-16013(1)/4/75-कार्मिक—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में स्थानांतरित होने पर, श्री के० दादाभाई, आई०

पी० एस० (गुजरात-1957) ने 3 जनवरी 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० राउरकेला इरपान सयत के उपमहानिरीक्षक पद का कार्यभार छोड़ दिया।

स० ई-16013(1)/1/77-कामिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री प्रफुल्ल चन्द्र राटो, आई० पी० एस० (उड़ीसा-56) ने 11 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० राउरकेला इरपान सयत के उप महानिरीक्षक पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 28 जनवरी 1978

स० ई-16018/1/74-कामिक—अपने मूल कार्यालय को प्रत्यावर्तित होने पर, श्री बी० एन० भारद्वाज ने 24 जनवरी 1978 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सि० बिष्ट,  
महानिरीक्षक के० ओ० सु० ब०

वित्त मन्त्रालय

मजदूरी, आय एवं मूल्य अध्ययन मण्डल

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1978

स० एफ० डब्ल्यू० आई० पी०/13/जी० ए०/77-वित्त मन्त्रालय (रक्षा प्रभाग) से हस्तान्तरित होने पर श्री एस० पी० वर्मा, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 के अधिकारी, सहायक वित्तीय सलाहकार दिनांक 8-12-77 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक मजदूरी, आय एवं मूल्य अध्ययन मण्डल में प्रतिनियुक्ति पर अवर सचिव नियुक्त किए गए हैं।

श० च० कटोच,  
मदस्य सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1978

स० एफ० डब्ल्यू० आई० पी०/13/जी० ए०/77—रक्षा लेखा नियंत्रक के कार्यालय से हस्तांतरित होने पर रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री बी० एस० जापन दिनांक 1-11-77 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक मजदूरी, आय एवं मूल्य अध्ययन मण्डल में निदेशक (अनुसन्धान) नियुक्त किए गए हैं।

स० एफ० म० आर० मूल्य/22 जी० ए०/77—अम मन्त्रालय से हस्तांतरित होने पर सर्वश्री एम० वी० बालासुन्दा तथा पी० के० सेन, वरिष्ठ अन्वेषण दिनांक 3-11-77 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक मजदूरी, आय एवं मूल्य अध्ययन मण्डल में अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

एस० पी० वर्मा,  
अवर सचिव

महालेखाकार कार्यालय, प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-1, दिनांक 27 जनवरी 1978

स० प्रशा० I/1-38-XV/3548—महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल नैडम कार्यालय की श्री प्रभास चन्द्र घोष स्थायी अनुभाग अधिकारी को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 19-1-78 (अपराह्न) या उनके द्वारा वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि में से जो बाद में पड़े, से बहाली करने की कृपा की है।

श्री घोष अपने वर्तमान पद से मुक्त होकर वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०) केन्द्रीय के समक्ष उपस्थित हो जिससे कि उनकी बहाली उस कार्यालय के रिक्त स्थान में हो सके।

पी० के० बन्दोपाध्याय,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार, पश्चिम बंगाल

कार्यालय मुख्य लेखा परीक्षक डाक-तार

नई दिल्ली-110054, दिनांक जनवरी 1978

स० का आदेश स० प्रशासन-5/786/23 (ए) (2) अधिसूचनाएँ—डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय नागपुर के स्थायी लेखा परीक्षाधिकारी, श्री एम० एस० प्रधान दिनांक 30-9-1977 (अपराह्न) से निवर्तन पर सेवा मुक्त हो गए हैं।

दिनांक 1 फरवरी 1978

स० का० आदेश प्रशासन 5/23 (क) (2) अधिसूचनाएँ/788—मुख्य लेखा परीक्षक, डाक-तार ने सहर्ष आदेश दिया है कि श्री वी० पी० शर्मा को जिन्हें भारत से बाहर भूटान सरकार के अन्तर्गत प्रतिनियुक्ति से परावर्तन के बाद दिनांक 24-8-1976 से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्वर्ग में पदोन्नत किया गया था, उस समय के लेखाधिकारी स्वर्ग में (अब लेखा परीक्षाधिकारी) दिनांक 24-12-1975 से पदोन्नत समझा जायेगा और उनका वेतन समझी गई पदोन्नति की तिथि से मूल नियम 113 की शर्तों के अन्तर्गत जिनकी मूल नियम 30 के नीचे भारत सरकार के आदेश सख्या 10 व 14 के साथ अर्थ लगाकर काल्पनिक रूप से नियमित किया जाना चाहिये। इस प्रकार वेतन नियम करने के कारण वेतन व भत्तों की बकाया राशि दिनांक 24-8-1976 में देय नहीं होगी।

पदोन्नति तदर्थ आधार पर है और सशोधनाधीन है।

स० का आदेश प्रशासन 5/23 (क) (2) अधिसूचनाएँ—मुख्य लेखा परीक्षक, डाक-तार ने सहर्ष आदेश दिया है कि श्री टी० के० दत्त को जिन्हें भारत से बाहर भारतीय लेखा परीक्षा कार्यालय वाशिंगटन में प्रतिनियुक्ति में परावर्तन के बाद दिनांक 1-10-1977 से लेखा परीक्षाधिकारी के स्वर्ग में पदोन्नत किया गया था, उस समय के लेखाधिकारी स्वर्ग में (अब लेखा परीक्षाधिकारी) दिनांक 28-11-1975 से पदोन्नत समझा जायेगा और उसका वेतन समझी गई पदोन्नति की तिथि से मूल नियम 113 की शर्तों के अन्तर्गत जिनकी मूल नियम 30

के नीचे भारत सरकार के आदेश संख्या 10 व 14 के साथ अर्थ लगाकर काल्पनिक रूप से नियमित किया जाना चाहिये। इस प्रकार वेतन नियंत्रित करने के कारण वेतन व भत्तों की बकाया राशि दिनांक 24-8-76 से देय नहीं होगी।

पदोन्नति तदर्थ आधार पर है और संशोधनाधीन है।

लक्ष्मी चन्द्र पाटनी,  
उप मुख्य लेखा परीक्षक (मुख्यालय)

दिनांक 24 जनवरी, 1978

सं० 3261/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री जी० सी० कटोच (वित्त मन्त्रालय, व्यय विभाग [रक्षा प्रभाग] नई दिल्ली में वित्त सहायकार रक्षा सेवा एवं अवर सचिव के रूप में प्रतिनियुक्ति पर] को दिनांक 35-11-77 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया।

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० 29015 (1)/76/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ समयमान (रुपये 1100-50-1600) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से, आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री संजय बाहुल	7-7-77 (पूर्वाह्न)
2.	श्री देव ब्रत लाहिरी	13-11-77 (पूर्वाह्न)
3.	श्री सतीश कुमार शर्मा	20-12-77 (पूर्वाह्न)
4.	श्री के० शंकर	5-11-77 (पूर्वाह्न)
5.	श्रीमती निता मारबानिआग	23-7-77 (पूर्वाह्न)

दिनांक 28 जनवरी, 1978

सं० 18340/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एम० एन० मेनन, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 30-9-78 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और उन्हें विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

दिनांक 29 जनवरी, 1978

सं० 18285/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री जी० आर० मलहोत्रा, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 31-7-78 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा और उन्हें विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

बी० एस० भीर  
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

#### रक्षा मन्त्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० 3/77/ए/एम०—महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरिया, निम्नलिखित अधिकारियों को तदर्थ आधार पर, सहायक सर्जन ग्रेड-1/जूनियर चिकित्सा अधिकारी के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम	नियुक्ति स्थान	दिनांक
1.	डा० एस० एम० धोक,	आर्डनेन्स फैक्टरी, भण्डारा	16-1-74
2.	डा० सी० डी० देशमुख,	आर्डनेन्स फैक्टरी, वांदा	16-1-74
3.	डा० बी० बी० शर्मा,	आर्डनेन्स फैक्टरी, भूसवाल	3-3-75
4.	डा० आर० एस० कुलकर्णी,	आर्डनेन्स फैक्टरी, खमरिया	1-6-75
5.	डा० उमेश चन्द्र दास,	गन एण्ड शैल फैक्टरी, काशीपुर,	2-6-75
6.	डा० वी० के० चक्रवर्ती	आर्डनेन्स, फैक्टरी, खमरिया	4-6-75
7.	डा० एम० के० छोटरे,	गन एण्ड शैल फैक्टरी काशीपुर	2-7-75
8.	डा० देबिन्दर कुमार,	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	23-7-75
9.	डा० अरुण कुमार मिश्रा	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	30-7-75
10.	डा० (महिला) सुजाता चक्रवर्ती	आर्डनेन्स फैक्टरी, खमरिया	5-8-75
11.	डा० (महिला) रंजना एस० धोक	आर्डनेन्स फैक्टरी, भण्डारा	1-9-75
12.	डा० (कुमारी) सरोज भाटिया	आर्डनेन्स फैक्टरी, वरनगांव	9-9-75
13.	डा० (महिला) रेनू नरूल	क्लोदिङ्ग फैक्टरी, शाहजहांपुर	4-10-75
14.	डा० डी० के० सिन्हा	क्लोदिङ्ग फैक्टरी, शाहजहांपुर	22-10-75
15.	डा० बी० एस० शास्त्री	आर्डनेन्स फैक्टरी, वरनगांव	1-11-75

क्रम संख्या	नाम	निर्दिष्ट स्थान	दिनांक
16.	डा० श्यामल बोष	गन एण्ड शैल फैक्टरी, काशीपुर	6-12-75
17.	डा० आर० बी० कौशल	अभ्युत्थान फैक्टरी, किरकी	8-12-75
18.	डा० (महिला) सेविका बासु	आर्डेनेन्स फैक्टरी, कानपुर	29-12-75
19.	डा० (महिला) आर० गौरी	कार्डाईट फैक्टरी, अखवांकाडु	5-1-76
20.	डा० प्रादीप रतन	गन एण्ड शैल फैक्टरी, काशीपुर	22-1-76
21.	डा० श्री निवास महापात्र	राइफल फैक्टरी, ईशापुर	6-2-76
22.	डा० विजय सक्सेना	अभ्युत्थान फैक्टरी, किरकी	9-2-76
23.	डा० (महिला) आशा शर्मा	आर्डेनेन्स फैक्टरी, बरनगांव	24-2-76
24.	डा० सुप्रत चक्रवर्ती	राइफल फैक्टरी, ईशापुर	24-3-76
25.	डा० टी० एस० चाढा	गन कैरिज फैक्टरी, जबलपुर	3-5-76
26.	डा० आर० के० मलहोत्रा	आर्डेनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर	15-5-76
27.	डा० ए० एन० बेरा	गन एण्ड शैल फैक्टरी, काशीपुर	26-5-76
28.	डा० (कुमारी) के० के० बैंग	आर्डेनेन्स केबुल फैक्टरी, चन्डीगढ़	29-5-76
29.	डा० आर० एम० सोमकुमार	आर्डेनेन्स फैक्टरी, भण्डारा	16-6-76
30.	डा० ए० के० बोहरे	गन एण्ड शैल फैक्टरी, काशीपुर	17-6-76
31.	डा० (कुमारी) पुष्पमित्रा वर्मा	आर्डेनेन्स उपस्कर फैक्टरी, कानपुर	18-6-76
32.	डा० जी० कृष्ण राव	क्लोदिङ्ग फैक्टरी, अवादी	25-6-76
33.	डा० डी० एन० दिवान	आर्डेनेन्स उपस्कर फैक्टरी, कानपुर	5-7-76
34.	डा० बसन्त कुमार जैन	स्माल आर्म्स फैक्टरी, कानपुर	15-7-76
35.	डा० जी० कृष्णामूर्ति	गन एण्ड शैल फैक्टरी, काशीपुर	26-7-76
36.	डा० अशोक कुमार वर्मा	आर्डेनेन्स फैक्टरी, बरनगांव	29-7-76
37.	डा० प्रियरजन भल्ला	अभ्युत्थान फैक्टरी, किरकी	30-9-76
38.	डा० एस० सी० पानीग्राही	आर्डेनेन्स फैक्टरी, बरनगांव	4-10-76
39.	डा० शान्तिमय भंडल	आर्डेनेन्स फैक्टरी, बरनगांव	9-11-76
40.	डा० (कुमारी) के० हीरा	आर्डेनेन्स फैक्टरी, तिरुचिरापल्ली	7-2-77
41.	डा० मकेश प्रधान	आर्डेनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर	16-2-77
42.	डा० (महिला) नीलम गुप्ता	ग्रे० आयरन फाउन्डरी, जबलपुर	3-3-77
43.	डा० आर० एस० गोयल	आर्डेनेन्स फैक्टरी, कानपुर	8-3-77
44.	डा० (महिला) बीना गोयल	आर्डेनेन्स फैक्टरी, कानपुर	8-3-77
45.	डा० ए० के० खूलर	क्लोदिङ्ग फैक्टरी, शाहजहांपुर	12-3-77
46.	डा० (कुमारी) ललिता खूलवे	आर्डेनेन्स फैक्टरी, खमरिया	11-4-77
47.	डा० राकेश बली	आर्डेनेन्स फैक्टरी, कटनी	17-4-77
48.	डा० एन० आर० जी० पिल्लाय	आर्डेनेन्स फैक्टरी, अम्बाझारी	9-5-77
49.	डा० ओ० पी० शर्मा	अभ्युत्थान फैक्टरी, किरकी	16-5-77
50.	डा० एस० के० अरगल	आर्डेनेन्स फैक्टरी, कानपुर	18-5-77
51.	डा० ए० के० लेले	आर्डेनेन्स फैक्टरी, खमरिया	19-5-77
52.	डा० एस० के० वर्मा	आर्डेनेन्स फैक्टरी, अम्बरनाथ	23-5-77
53.	डा० बी० के० शुक्ला	आर्डेनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर	30-5-77
54.	डा० ओ० पी० गुप्ता	आर्डेनेन्स उपस्कर फैक्टरी, कानपुर	30-5-77
55.	डा० बी० बी० सेठी	आर्डेनेन्स फैक्टरी, खमरिया	31-5-77
56.	डा० विप्लव कुमार सन्याल	गन एण्ड शैल फैक्टरी, काशीपुर	20-6-77
57.	डा० अमल कान्ति होरे	मैटल एण्ड स्टील फैक्टरी, ईशापुर	25-6-77
58.	डा० बी० के० अग्निहोत्री	मैटल एण्ड स्टील फैक्टरी, ईशापुर	20-6-77
59.	डा० (महिला) कामिनी	क्लोदिङ्ग फैक्टरी, शाहजहांपुर	4-7-77

सं० 4/77/ए०/एम०—महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां निम्नलिखित अस्थायी सहायक सर्जन ग्रेड-1 जूनियर चिकित्सा अधिकारियों का त्यागपत्र उनके सामने दर्शायी गई तारीख में स्वीकार करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम	फैक्टरी	दिनांक
1.	डा० अशोक पुरी	वस्त्र फैक्टरी, शाहजहांपुर	20-1-76
2.	डा० श्यामल घोष	तोप एवं गोला फैक्टरी, काशीपुर	6-2-76
3.	डा० प्रदीप रतन	तोप एवं गोला फैक्टरी, काशीपुर	29-4-76
4.	डा० ऐ० एन० बेरा	तोप एवं गोला फैक्टरी, काशीपुर	14-6-76
5.	डा० बी० एस० शास्त्री	आर्डनेन्स फैक्टरी, वरानगांव	1-9-76
6.	डा० डी० के० सिन्हा,	वस्त्र फैक्टरी, शाहजहांपुर	5-11-76
7.	डा० ए० के० बेहरे	तोप एवं गोला फैक्टरी, काशीपुर	26-12-76
8.	डा० शान्तिमय मंडल	आर्डनेन्स फैक्टरी, भूसवाल	4-3-77
9.	डा० ए० के० खुल्लार,	वस्त्र फैक्टरी, शाहजहांपुर	27-3-77
10.	डा० (कुमारी) सरोज भाटिया	गोला बारूद फैक्टरी, किरकी	25-4-77
11.	डा० एम० के० छोत्रे	तोप एवं गोला फैक्टरी, काशीपुर	13-6-77
12.	डा० श्रीनिवास महापात्र	राइफल फैक्टरी, ईशापुर	1-8-77
13.	डा० ओ० पी० गुप्ता	आर्डनेन्स उपस्कर फैक्टरी, कानपुर	8-8-77
14.	डा० प्रियरंजन भल्ला	गोला बारूद फैक्टरी, किरकी	13-8-77
15.	डा० एन० आर० जी० पिल्लाय	आर्डनेन्स फैक्टरी, अम्बासारी	1-9-77
16.	डा० उमेश चन्द्र दास	तोप एवं गोला फैक्टरी, काशीपुर	1-10-77
17.	डा० (श्रीमती) कामिनी	वस्त्र फैक्टरी, शाहजहांपुर	1-11-77

सं० 5/77/ए०/एम०—महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां निम्नलिखित सहायक सर्जन ग्रेड-1 जूनियर चिकित्सा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से, सेवा समाप्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम	फैक्टरी	दिनांक
1.	डा० आर० एम० सोमकुमार	आर्डनेन्स फैक्टरी, भण्डारा	23-8-77
2.	डा० वी० के० शुक्ला	आर्डनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर	24-8-77
3.	डा० मुकेश प्रधान	आर्डनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर	27-8-77
4.	डा० (महिला) रंजना एस० धोक	आर्डनेन्स फैक्टरी, भण्डारा	1-9-77
5.	डा० ए० के० लोले	अभ्युनिशन फैक्टरी, किरकी	1-9-77
6.	डा० बी० बी० सेठी	आर्डनेन्स फैक्टरी, खमरिया	1-9-77
7.	डा० ओ० पी० शर्मा	अभ्युनिशन फैक्टरियां, किरकी	5-9-77
8.	डा० विप्लव कुमार सन्याल	गन एण्ड शैल फैक्टरी, काशीपुर	5-9-77
9.	डा० (कुमारी) ललिता खुलवे	आर्डनेन्स फैक्टरी, खमरिया	7-9-77
10.	डा० जी० कृष्णामूर्ति	गन एण्ड शैल फैक्टरी, काशीपुर	12-9-77
11.	डा० (महिला) नीलम गुप्ता	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	14-9-77
12.	डा० एस० के० अरगल	आर्डनेन्स फैक्टरी, कानपुर	15-9-77
13.	डा० एस० सी० पानीग्रही	आर्डनेन्स फैक्टरी, वरनगांव	17-9-77
14.	डा० राकेश बली	आर्डनेन्स फैक्टरी, कटनी	19-9-77
15.	डा० अमल कान्ती होरे	मैटल एण्ड स्टील फैक्टरी, ईशापुर	22-9-77
16.	डा० डी० एन० दिवान	आयुध उपस्कर फैक्टरी, कानपुर	28-9-77

क्रम संख्या	नाम	फैक्टरी	दिनांक
17.	डा० अशोक कुमार वर्मा	आईनेन्स फैक्टरी, वरनगांव	30-9-77
18.	डा० एस० एम० धोक	आईनेन्स फैक्टरी, भण्डारा	15-10-77
19.	डा० बी० के० अग्निहोत्री	मैटल एण्ड स्टील फैक्टरी, ईशापुर	28-10-77
20.	डा० जी० कृष्णराव	क्लोदिङ्ग फैक्टरी, अवादी	1-11-77

त्रिगेडियर पी० एन० त्रिखा  
स्वास्थ्य सेवा निदेशक  
कृते महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां

महानिदेशालय, आईनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी 1978

सं० 2/78/जी०—58 वर्ष के बाद दो महीने की सेवा वृद्धि की स्वीकृति की समाप्ति पर, श्री पी० डी० पंत, ओ० एस० डी० (स्थानापन्न महाप्रबन्धक I सेलेक्शन ग्रेड-स्तर-II की श्रेणी में) पीरोटेक्निक प्रोजेक्ट किरकी, (मौलिक महा-प्रबन्धक ग्रेड-I) दिनांक 1-5-77 (पूर्वाह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० एन० शुक्ला  
सहायक महानिदेशक

के दोपहर बाद से कलकत्ता में संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वे० शेषाद्रि  
मुख्य नियंत्रक  
आयात निर्यात

उद्योग मन्त्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी 1978

सं० जूट (ए)/147/68—पटसन आयुक्त एतद्वारा एक स्थायी अधीक्षक श्री के० के० बनर्जी को श्री एन० के० राय के कार्यकारी अधिकारी के रूप में प्रोन्नत होने के फलस्वरूप 11 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से इस कार्यालय में बतौर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी राजपत्रित ग्रुप "ब" के रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-960/- की वेतनमान में नियुक्त करते हैं। श्री बनर्जी 11-1-78 से दो वर्ष के लिए परि-वीक्षाधीन रहेंगे।

एन० के० राय  
कार्यकारी अधिकारी

श्रम मन्त्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक जनवरी 1978

सं० प्रशासन 12 (4) 77—श्री नरेन्द्र सिंह जो कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के स्थायी कनिष्ठ अभियन्ता हैं, दिनांक 8-9-77 (पूर्वाह्न) से सहायक अभियन्ता के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किए गए हैं और कार्यपालक अभियन्ता, कल्याण कार्य प्रभाग न० 2 आसनसोल के अधीन तैनात किए जाते हैं।

एच० एच० कुरेशी  
अपर कोयला खान कल्याण आयुक्त

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)  
नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी, 1978

वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1978

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1244/78-प्रशा० (राज्य)/1061—राष्ट्रपति श्री एन० रामजी, भारतीय प्रशासकीय सेवा की 9 जनवरी 1978

सं० 12/739/72-प्रशासन (राजपत्रित)—अंडमान तथा निकोबार प्रशासन के अधीन ग्रामीण उद्योग परियोजना में परियोजना अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० एल० एन० राय ने दिनांक 12 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) से लघु उद्योग शाखा सस्थान, इस्फात, के सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए-19018/315/77-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री विमल चन्द्र राय को राष्ट्रपति जी दिनांक 29 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न)

से अगले आदेशों तक के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में उप-निदेशक (बिजली) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री बिमल चन्द्र राय ने दिनांक 29 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना, में उप निदेशक (बिजली) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 27 जनवरी, 1978

शुद्धिपत्र

सं० ए-19018/231/75-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) की अधिसूचना संख्या ए-19018/231 75-प्रशासन (राजपत्रित) दिनांक 22-12-77 के परिच्छेद 2 की तीसरी पंक्ति में लिखा दिनांक 28-10-1977 संशोधित कर दिया गया है और उसके स्थान पर 22-10-1977 पढ़ा जाएगा।

दिनांक 1 फरवरी, 1978

सं० ए-19018/303/77-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति जी 2 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक के लिए श्री एम० एल० मीना को लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एम० एल० मीना ने 2 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा (शाखा) संस्थान, गंगतोक (सिक्किम) में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) पद का कार्यभार संभाल लिया।

बी० वेंकटरायलु  
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1978

सं० प्र०-1/1 (768)/II—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक ग्रेड I (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड-III) श्री डी० सी० जोशी को दिनांक 21 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 जनवरी 1978

सं० प्र०-1/1 (771) II—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड-III) श्री एस० एम० शर्मा को दिनांक 21 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-II) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 फरवरी 1978

सं० प्र०-1/1 (1035)—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री पी० के० मजूमदार को दिनांक 21-1-78 (पूर्वाह्न) से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (बिजली कर) (ग्रेड-I) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक

इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 25 दिसम्बर 1977

सं० 578/बी/40/59/सी/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी (तदर्थ) श्री बी० के० चटर्जी की अधीक्षक के पद पर उसी विभाग में 14-11-1977 के पूर्वाह्न से पदावनति की जा रही है।

दिनांक 27 जनवरी 1978

सं० 600/बी/3/77/एन० एल० एम०/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ सहायक पुस्तकाध्यक्ष श्री नृसिंह लाल मुखर्जी को पुस्तकाध्यक्ष के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 1 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी

महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 28 जनवरी 1978

सं० गो० 5340/707—श्री एम० नरसिम्हन, सर्वेक्षक सलेक्शन ग्रेड, को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी') के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 14 दिसम्बर, 1977 से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है तथा पार्टी संख्या 17 (द० सं०) बंगलुरु में तैनात किया जाता है।

के० एल० खोसला

मेजर-जनरल

भारत के महासर्वेक्षक



## राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 जनवरी 1978

सं० एफ० 15-3/77-प्रशा०—श्री राजेन्द्र प्रसाद, महा-केमिस्ट ग्रेड। श्रीर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी को दिनांक 25 जनवरी 1978 से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थायी आधार पर वैज्ञानिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

श्रीनन्धन प्रसाद  
अभिलेख निदेशक

में दिनांक 11-11-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करने है।

दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० 10/94/74-एम० III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री रवि आनन्द को दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ में दिनांक 13-12-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० 10/82/77-स्टाफ-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री वी० के० गुप्तन, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक को, भारत के फिल्म एवं दूरदर्शन संस्थान, पूना से प्रत्यावर्तन पर दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई में दिनांक 23-11-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 31 दिसम्बर 1977

सं० 10/37/77-एस III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री के० वी० डेनियल को दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई में दिनांक 9-11-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1978

सं० 10/99/77-एस III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री के० धीर्यागा राजन को उच्च शक्तिप्रेसित, आकाशवाणी खामपुर

दिनांक 28 जनवरी 1978

प० के० बसु,  
प्रशामन उपनिदेशक

सं० 14/6/76-एस० तीन (खंड तीन) —महानिदेशक, आकाशवाणी, निम्नलिखित अधिकारियों को मूल रूप से सहायक अभियंता संवर्ग के पद पर प्रत्येक के सामने लिखी तिथि से नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद तथा तैनाती का स्थान	पुष्टि की तिथि
1	2	3	4
1.	श्री एस० पारथसारथी	उप सहायक क्षेत्रीय अभियंता क्षेत्रीय अभियंता (दक्षिण) मद्रास	20-5-72
2.	श्री एस० एस० वन्सल	उप सहायक क्षेत्रीय अभियंता क्षेत्रीय अभियंता (पूर्व) कलकत्ता	1-11-74
3.	श्री पी० के० चौधरी	अमीन सलतनत में प्रतिनियुक्ति पर	1-11-74
4.	श्री जे० पी० खरे	सहायक केन्द्र अभियंता आकाशवाणी, भांपाल	1-11-74
5.	श्री एस० के० तिवारी	सहायक केन्द्र अभियंता दूरदर्शन केन्द्र, देहली	1-11-74
6.	श्री महेश चन्द्र	उप सहायक योजना अधिकारी, आकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली	7-5-75
7.	श्री एस० एन० अयर	सहायक केन्द्र अभियंता, विज्ञापन प्रसारण सेवा, त्रिवेन्द्रम	7-5-75
8.	श्री वी० के० शर्मा	सहायक केन्द्र अभियंता आकाशवाणी, लखनऊ	7-5-75
9.	श्री कैलाश नाथ	सहायक इंस्टालेशन अभियंता क्षेत्रीय अभियंता, (उत्तर) दिल्ली	7-5-75

1	2	3	4
10.	श्री एन० एन० अग्रवाल	सहायक केन्द्र अभियंता, डिब्रुगढ़	7-5-75
11.	श्री जी० पी० श्रीवास्तव	सहायक केन्द्र अभियंता आकाशवाणी, गोरखपुर।	7-5-75

2. इन सभी अधिकारियों की पुष्टि इस शर्त पर की गई कि इन्हें किसी भी समय सार्वजनिक निगम के आधीन सेवा करने के लिए स्थानान्तरित किया जा सकता है और ऐसा अंतरण होने पर उन पर वही सेवा शर्तें लागू होंगी जो कि उस निगम के कर्मचारियों के लिए निर्धारित की जाएंगी।

सं० 10/130/77-एम० III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री पी० बी० सेना गिरी को आकाशवाणी अय्यावसमें दिनांक 31-12-77 में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

अधीर कुमार बसु,  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

मे आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना में दन्त शल्य-चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,  
उप निदेशक, प्रशासन

#### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

##### फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 25 जनवरी 1978

सं० 6/64/56-सिब्बन्दी-I—श्री एम० ए० नार्वेकर स्थानापन्न इत-वीटवीन ओनिमेटर के स्वीकृत छुट्टी की समाप्ति पर श्री एम० व्ही० देवीदासन स्थानापन्न इत-वीटवीन ओनिमेटर दिनांक 9-12-1977 के अपराल्ल के लेआउट आर्टिस्ट के पद पर प्रत्यावर्तित हुए।

दिनांक 28 जनवरी 1978

सं० 17/16/49-सिब्बन्दी-I—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री आर० सी० खन्ना, स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक, फिल्म प्रभाग, मद्रास दिनांक 31-12-1977 के अपराल्ल से सेवा निवृत्त हो गये।

एम० चन्द्रन नायर,  
प्रशासकीय अधिकारी,  
कृते प्रमुख निर्माता

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1978

सं० ए० 12025/9/76-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० अशीशबिम्बास को 29 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न

#### पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

##### भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 25 जनवरी 1978

सं० ई० (I) 00915—वेधशालाओं के महानिदेशक डा० मुरारीलाल को 12 दिसम्बर, 1977 के अपराल्ल से अगले आदेशों तक भारतीय मौसम सेवा, ग्रुप बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप बी) में अस्थायी तौर पर सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

डा० मुरारीलाल वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान) पुणे के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

सं० ई० (I) 00946—वेधशालाओं के महानिदेशक श्री के० रतनम को 5 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक भारतीय मौसम सेवा ग्रुप बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप बी) में अस्थायी तौर पर सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री रतनम को वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान), पुणे के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

सं० ई० (I) 00950—वेधशालाओं के महानिदेशक, श्री के० पी० कुलश्रेष्ठ को 22 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक भारतीय मौसम सेवा, ग्रुप बी (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप बी) में अस्थायी तौर पर सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री कुलश्रेष्ठ को निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय के अन्तर्गत मौसम केन्द्र, भुवनेश्वर में तैनात किया जाता है।

सं० ई० (I) 06612—वेधशालाओं के महानिदेशक, श्री शांति कुमार दास को 21 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक भारतीय मौसम सेवा, ग्रुप बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप बी) में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दास को प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय के अर्गत चक्रवात चेतावनी रेडार स्टेशन पारा-दीप में तैनात किया जाता है।

गुस्मुखराम गुप्त,  
मौसम विज्ञानी,  
कृत वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1978

सं० ए०-32013/8/77-ई० सी०—राष्ट्रपति जी ने श्री एस० सी० गोस्वामी को, जो कि इस समय श्री एस० एम० गुप्ता का छुट्टी रिक्ति में तदर्थ आधार पर उपनिदेशक संचार (मुख्यालय) के पद पर कार्य कर रहे हैं, 9-12-77 से नौ मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो तदर्थ आधार पर क्षेत्रीय नियंत्रक संचार के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें सफदजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तैनात किया है।

सत्यदेव शर्मा  
उप निदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1978

सं० ए०-32013/10/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे निम्न-लिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को दिनांक 26-11-77 (पूर्वाह्न) से और अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में नियमित रूप से तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री बी० अलागिरी	नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।
2.	श्री पी० सी० बनर्जी	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली।
3.	श्री एल० पी० सिंह	वैमानिक संचार स्टेशन, जयपुर।
4.	श्री एन० बैकटपति	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली।
5.	श्री मृगाल कान्ति पाल	नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।

6. श्री बी० एन० गाडबोले क्षेत्रीय कार्यालय, बंबई।
7. श्री पी० जे० ग्रथर वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।
8. श्री एस० पी० जैन वैमानिक संचार स्टेशन, पालम।
9. श्री ए० एन० श्रीवास्तव निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।

दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० ए०-38015/14/77-ई० सी०—सेवा निवृत्ति-पूर्व छुट्टी के रूप में दिनांक 11-5-77 से 22-10-77 तक 165 दिन की अर्जित छुट्टियों के साथ तारीख 23-10-77 से 31-12-77 तक 70 दिन की अर्धवेतन छुट्टी पर जाते समय वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री पी० एम० आदियोदी, सहायक तकनीकी अधिकारी ने तारीख 11-5-77 (पूर्वाह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया था और छुट्टी की समाप्ति पर मूल नियम 56 (क) के अधीन वे तारीख 31-12-77 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सत्य देव शर्मा  
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1978

सं० ए०-38012/10/77-ई० एस०—श्री एस० बी० देवकुले, नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, बम्बई ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 30 नवम्बर, 1977 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुरजीत लाल खांडपुर  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० 1/427/78-स्था०—स्विचिंग समूह, बम्बई के अस्थाई सहायक अभियंता श्री अशोक कुमार गुलाटी का सेवा से त्यागपत्र 7 जनवरी, 1978 के अपराह्न से स्वीकार किया गया है।

दिनांक 27 जनवरी 1978

सं० 1/446/78-स्था०—श्री ए० एल० घोसाल, तकनीकी सहायक, देहरादून शाखा, को 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले  
महानिदेशक

## वन अनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 30 जनवरी 1978

सं० 16/277/77 स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री रमेश चन्द्र थपलियाल. अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग, को दिनांक 26 अक्तूबर, 1977 के अपराह्न से अगले आदेशों तक वन अनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में पांचवी पंच वर्षीय योजना के अधीन (1) वीज कोष और (2) वीज प्रजनन केन्द्र, हैदराबाद स्कीमो के क्षेत्रीय केन्द्र में महर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भटनागर,  
कुल सचिव

वन अनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्कन समाहर्ता का कार्यालय

इलाहाबाद, दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० 1/1978—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय बरेली के अन्तर्गत प्रशासन अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में तैनात श्री वी० के० पी० सिन्हा विनाक 31-7-77 को दोपहर के बाद सरकारी सेवा से सेवामुक्त हो गए।

अमृत लाल नन्दा,  
समाहर्ता

बडौदा, दिनांक दिसम्बर 1977

सं० 3-77 सी० ई०—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 232-ए० के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, नियम 232-ए० के उपनियम (2) में बताये अनुसार निम्नलिखित श्रेणी में आने वाले व्यक्तियों के नाम, पते और उनसे सम्बन्धित अन्य विवरण नीचे दी गई तालिका में प्रकाशित कर रहा हूँ —

(क) ऐसे व्यक्ति जिन्हें अधिनियम की उक्त धारा के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा दंड दिया गया है।

(ख) ऐसे व्यक्ति जिनको अधिनियम की धारा 33 में उल्लिखित अधिकारी द्वारा इस अधिनियम के अथवा इसके अन्तर्गत बनाये गये नियमों के किसी उपबन्ध का उल्लंघन करते हुए पाया गया हो और जिन पर इस अधिकारी द्वारा 10,000 रु० अथवा इस राशि से अधिक का जुर्माना किया गया हो।

के० एम० विलीपसिहजी,  
समाहर्ता

## सारणी

क्र० सं०	नाम	पता	अधिनियम अथवा नियमों के वे उपबन्ध जिनका उल्लंघन किया गया है	किये गये जुर्माने की राशि	न्यायालय द्वारा न्याय निर्णयन अधिकारी की ओर से जप्त किये गये उत्पादन शुल्क योग्य माल अथवा अन्य संपत्तिया का मूल्य	माल जप्त करने के बदले किए गये जुर्माने की राशि	रट्ट किए गए लाइसेंसों का व्योरा
1	2	3	4	5	6	7	8

## भाग —क

(उपर्युक्त "क." के अन्तर्गत आने वाले मामलों के लिए)

- खांधली के भारत टोवेको कंपनी के मालिक श्री हरमान भाई मोती भाई पटेल एल-5 सं० 18 गाव खांधली ता० आनद जि० खेडा गुजरात केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 141, 144 और 32(1) और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 151, 32(2) के खण्ड 500.00 रु० जुर्माना जिसके अंदा न करने पर 3 मास की साधारण कैद।

1	2	3	4	5	6	7	8
---	---	---	---	---	---	---	---

(सी) तथा (डी) का उल्ल-  
घन। इन नियमों का सम्बन्ध  
नम्ब्राकू में है अर्थात् तम्ब्राकू  
को अवैध रूप से हटाना और  
उसे प्राप्त करना तथा इस  
बारे में समुचित हिसाब  
किताब न रखना।

भाग —— ग

(उपर्युक्त "ख" के अन्तर्गत आने वाले मामलों के लिए)

1. बम्बई के मैसर्स बांन डेकोर तथा बम्बई के मै० बोने डेकोर फर्न	फर्स्ट पोरुप देव क्रास लेन बोम्बे सो मिल्स कम्पा- उण्ट बम्बई-33 डी डी	नियम 173 ब्यू के खण्ड (ए) (बी) (सी) तथा (डी) के माथ पठित नियम, 52ए 174, 173 बी, 173 सी, 173 एफ० 173 जी (1) (2) और (4) का उल्लघन उन नियमों का सम्बन्ध केन्द्रीय उत्पादन शुल्क टैरिफ की टैरिफ मद संख्या 40 के अन्तर्गत आने वाले स्टील फर्नीचर का बिना लाइसेन्स लिये बिना तथा शुल्क अदा किये निर्माण करने और इस सामान को हटाने से है।	मैसर्स बांन डेकोर पर 50,000 रु०	1,30,000 रु० मूल्य की 1218 आडीटोरियम की कुमिया	1218 कुसिया जप्त करने के बदले 30,000 रु० वा जर्माना	---
2. श्री कशरिया इन्वेषमेंट लिमिटेड नई दिल्ली के स्वामीत्व में के बड़ौदा स्थित मैसर्स प्रिय लक्ष्मी मिल्स।	पुराने रेलवे स्टेशन के पाम, बड़ौदा एल. 4 सख्या बी आर डी-I-1-73 सी० एफ०	नियम 173 ब्यू के साथ पठित नियम 96-बी 96-सी 173-एफ और 9 का उल्लघन बड़िया कपड़े को जान बूज कर फेंटो के हिसाब में काटा गया और फेट दर पर शुल्क अदा किया गया।	10,000 रु०	4,41,421 रु० के लागत भाड़ा मूल्य की 175 गठरिया	जप्त करने के बदले 30,000 रु० का जर्माना	---
3. मैसर्स नटराज डाइग एण्ड प्रिंटिंग वर्कर्स, सूरत	बड़ौदा रेयोन में गेट ऊघना के मामने जि० सूरत	173-बी, 173-सी, 173- एफ 173-जी (1), 173 (जी) (2) 173-जी (4), 9,52 ए तथा 173-ब्यू के उपखण्ड (ए) (बी) तथा (डी)। बिना हिसाब किताब रखे, बिना शुल्क का भुगतान किये, बिना वैद्य गेट पाम जारी किए प्रोसेस्ड आर्ट मिल्क के फेब्रिक्स को हटाना	20,000 रु०	1,17,836 70 रु० के मूल्य का 31,759 50 एस-मिटर रुपड़ा	21,000/- जुर्माना मूल्य की 3000/-रु० जुर्माना एम्बेसेडर कार सख्या एम०आर० एफ 3543	---

1	2	3	4	5	6	7
4. मैसर्स वेन डेकोर बम्बई तथा मैसर्स वोन, डेकोर फर्न, बम्बई।	1, घोरुप देव कास लेन बम्बई सो मिल कम्पाऊड बम्बई	नियम 173-ब्यू के उपनियम (ए) (बी) तथा (सी) और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 6 के साथ पठित नियम 173-बी 173-सी, 173-एफ 173-जी (1) (2) (4) का उल्लंघन बिना लाइसेंस तथा शुल्क अदा किये बिना स्टील फर्निचर का निर्माण तथा उसकी निकासी	वोन डेकोर पर 20,000 रु० तथा वोन डेकोर फर्न पर 20,000 रु० ये दोनों फर्म बम्बई की हैं।	93,810 रु० 1010 के मूल्य की कुसिया करने के बदले 1010 आडी-टोरियम कुसिया 25,000 रु० का जुर्माना	1010	---

31 दिसम्बर, 1977 को समाप्त होने वाली तिमाही

एम० टी०/3/1977-78 दिनांक 21-2-1977 से प्रवृत्त होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सातवा सशोधन) नियम 1976 के नियम 232 ए के उपनियम (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 के अधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्ति अथवा जिन पर अधिनियम की धारा 33 के अन्तर्गत 10,000/- रुपये या उससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है ऐसे व्यक्तियों के नाम पते एवं अन्य विवरण जो उप नियम (2) में निर्धारित हैं, निम्न प्रकार से हैं :—

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया	दण्ड राशि
1	2	3	4	5
-----शून्य-----				

## II. विभागीय न्याय निर्णय

क्रम व्यक्ति का नाम जिस पर म० अधिनियम की धारा 33के अन्तर्गत 10,000 रु० या इससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है ।	पता	अधिनियम के प्रावधान अथवा उसके अन्तर्गत बने नियमों का उल्लंघन किया गया	अर्थ दण्ड राशि	धारा 33 के अन्त- र्गत न्यायनिर्णित धारा 34के अन्त- शुल्कोय माल का र्गत जली के स्थान मूल्य जो जप्त पर अर्थदण्ड की किया गया है । राशि		
1.	2.	3	4	5.	6.	7.
1. सर्वश्री कैशमीलीन प्रोसे- मिंग इण्डस्ट्रीज जिला थाना	आर० आर० डड- स्ट्रियल हस्टेट कश्मीर जिला थाना	के० उ० शु० नियम-1944 के नियम 9(1) के साथ पठित नियम 173-एफ० 173जी (1), नियम 52-ए के साथ पठित 173जी (2), नियम 53 तथा 226 के साथ पठित नियम 173 जी (4)	के० उ० शु० नियम 1944 के नियम 9(2), 52-ए० (5) 173 ब्यू० तथा 226 के अधीन रु० 25,000.	रु० 716723.00	रु० 50,000/-	

ई० आर० श्रीकठय्या,  
समाहर्ता,  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई

पटना, दिनांक 5 जनवरी 1978

मि सं० 11 (7) 1-स्था०/77—कनल सतीश चन्द्र (आई सी 4040) को उप निदेशक (संचार) के पद पर संचार निदेशालय के अन्तर्गत वित्त मंत्रालय के आदेश सं० 122/77 दिनांक 4/8/77 के अनुसार रु० 1500-60-1800 तथा विशेष वेतन रु० 200/- (प्रतिमाह की दर से) के वेतन पर पुनर्नियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया गया। इस आदेश के अनुसरण में उन्होंने उप निदेशक (संचार) के पद पर सीमा शुल्क (नि०) समाहर्तालय, पटना के अन्तर्गत वित्त मंत्रालय के आदेश सं० 8/77 दिनांक 5/8/77 के अनुसार दिनांक 29/9/77 के पूर्वाह्न में दिल्ली में कार्यभार ग्रहण किया, तदुपरान्त दिनांक 4/10/77 को पटना में कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 11 जनवरी 1978

मिसिल सं० 11(7) 1-स्था०/77-602—भारत सरकार वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के आदेश संख्या 171/77 दिनांक 9-11-77 के अनुसरण में श्री डी चक्रवर्ती, उप समाहर्ता कस्टम हाउस, बम्बई ने उप समाहर्ता सीमा शुल्क मुजफ्फरपुर के रूप में दिनांक 23-12-77 के अपराह्न में कार्य-भार ग्रहण किया।

मिसिल सं 11(7) 1-स्थापना/77-603—मंत्रालय के आदेश संख्या 171/77 दिनांक 9-11-77 के अनुसरण में श्री एस० के० चौधरी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, कलकत्ता ने उप समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद, पटना के रूप में दिनांक 12-12-77 के पूर्वाह्न में कार्य-भार ग्रहण किया।

हरिनारायण साहू, समाहर्ता

शिलांग, दिनांक 26 जनवरी 1978

सं० 1/78—केन्द्रीय आबकारी कलक्टर शिलांग के अस्थायी कार्यालय अधीक्षक श्री अमिय मुकुल दे के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी-ख) नियुक्त किया गया श्री अमियमुकुल दे ने प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दिनांक 5-7-76 (पूर्वाह्न) को अग्रगण्यता में कार्यभार संभाला।

सं० 2/78—केन्द्रीय आबकारी कलक्टर शिलांग के कार्यालय अधीक्षक श्री एम एस भट्टाचार्य के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी-ख) नियुक्त किया गया। एस श्री एम० एस० भट्टाचार्य ने प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दिनांक 10-2-77 (अपराह्न) को धुबड़ी में कार्यभार संभाला।

सं० 3/78—केन्द्रीय आबकारी कलक्टर शिलांग के अस्थायी कार्यालय अधीक्षक श्रीमति सुईलटिगिरि स्याम के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी लेखा परीक्षक (श्रेणी-ख) नियुक्त किया गया। श्रीमति सुईलटिगिरि स्याम ने लेखा परीक्षक के रूप में दिनांक 16-5-77 (अपराह्न) को शिलांग में कार्यभार संभाला।

सं० 4/78—केन्द्रीय आबकारी कलक्टर शिलांग के कार्यालय अधीक्षक श्री समरेन्द्र राय के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी-ख) नियुक्त किया गया। श्री समरेन्द्र राय ने प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दिनांक 8-8-77 (पूर्वाह्न) को डिब्रुगढ़ में कार्यभार संभाला।

सं० 5/78—केन्द्रीय आबकारी कलक्टर शिलांग के अस्थायी कार्यालय अधीक्षक श्री बिनय भूषण सेनगुप्त के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी-ख) नियुक्त किया गया। श्री बिनय भूषण सेनगुप्त ने प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दिनांक 28-11-77 (पूर्वाह्न) को सिलचर में कार्यभार संभाला।

के एम० साहा, समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० ए-19012/674/77-प्रशा० पांच—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग श्री अब्दुल सलीम, अभिकल्प सहायक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन में 20 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से अगले आदेश तक पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री अब्दुल सलीम ने आयोग में 20 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) से अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० ए-19012/675/77-प्रशासन पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री पी० बी० दास, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक को सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी ग्रुप) में केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पूणे में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 16/12/1977 के पूर्वाह्न से पूर्व अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर या जब तक पद स्थायी रूप से नहीं भरा जाता है 2/8/1978 तक नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19012/677/78-प्रशासन पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप-बी) की सिफारिश पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री जे० जी० पदाले, अनुसंधानसहायक को सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के पद पर केन्द्रीय विद्युत अनुसंधानशाला, पूणे में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 16 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक स्थायी तथा स्थानापन्न आधार पर पदोन्नत करते हैं।

(2) श्री पदाले, केन्द्रीय जल विद्युत अनुसंधानशाला, पूणे में 16/12/1977 से दो वर्ष के लिये सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के ग्रेड में परिवीक्षा पर रहेंगे।

सं० ए-19012/678/78-प्रशासन पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप बी) की सिफारिश पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस० के० देव, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक को सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के पद पर, केन्द्रीय विद्युत अनुसंधानशाला, पूणे में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक स्थायी तथा स्थानापन्न आधार पर पदोन्नत करते हैं।

(2) श्री देव, केन्द्रीय जल विद्युत अनुसंधानशाला, पूणे में 2/1/78 से दो वर्ष के लिए सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के ग्रेड में परीक्षा पर रहेंगे

सं० ए-19012/679/78-प्रशासन पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप बी) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री जी० एम० कोटवर, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के पद पर केन्द्रीय विद्युत अनुसंधानशाला, पूणे में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक स्थायी तथा स्थानापन्न आधार पर पदोन्नत करते हैं।

(2) श्री कोटवर, केन्द्रीय जल विद्युत अनुसंधानशाला, पूणे में 2/1/78 से दो वर्ष के लिए सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के ग्रेड में परीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 27 जनवरी 1978

सं० ए-19012/665/77-प्रशासन पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री के० सी० ईदिकुला को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता की श्रेणी में स्थानापन्न हेतु पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में दिनांक 10/10/77 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

श्री के० सी० ईदिकुला ने अधीक्षक अभियन्ता, डी० बी० आर० आर० और बाढ़ पूर्वानुमान वृत्त, मैथन के अधीन केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान उप-प्रभाग, तेनुषाट, डाकघर मैथन में सहायक अभियन्ता के पद का भार सम्भाल लिया है।

जे के साहा,  
अवर सचिव

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

सं० 23/2/77-ई० सी० 2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक इंजीनियर श्री सी० एस० कारनामी जो कि मूल्यन अधिकारी, आयकर विभाग बड़ौदा के पद पर काम कर रहे हैं

वार्धक्य की आयु (58) वर्ष प्राप्त करके 30 नवम्बर 1977 (दोपहर बाद) से सरकारी सेवा में सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

मु० सू० प्रकाश राव,  
प्रकाशन उपनिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 28 जनवरी 1978

सं० 6/3/77 प्रशामन 2—अध्यक्ष केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री एम० एम० लाहौरी, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा श्रेणी-2 में अतिरिक्त सहायक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में 18-10-77 (पूर्वाह्न) में अग्रिम आदेश होने तक स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

सतोप विश्वास,  
अवर सचिव

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० 23—श्री बाई० राजाराव, सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमाण्डेंट (ट्रेनी) का रेल सेवा में त्याग पत्र 12-8-77 में स्वीकार किया गया है।

जी० एच० केसवानी,  
महाप्रबन्धक

निर्माण, आवास, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

क्रकता-700027, दिनांक 25 जनवरी 1978

सं० जी० 318/ए—अधोहस्ताक्षरित श्री पी० के० चक्रवर्ती को राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा, बम्बई में तदर्थ सहायक निदेशक (प्रशामन) ग्रेड II के रूप में 7-12-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक इसी से नियुक्त करते हैं।

वी० सी० बिश्वास,  
सयुक्त निदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1978

मैसर्स हाईवे आटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।



माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 17-3-72 के आदेश से मैसर्स हाईवे फाइनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम समाप्त होना, आदेशित हुआ है।

मैसर्स स्वीडवे फाइनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।

माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 26-4-1976 के आदेश से मैसर्स स्पीडवे फाइनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त होना, आदेशित हुआ है।

आर० के० अरोडा,  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार  
दिल्ली एवं हरियाणा

जयपुर, दिनांक 1978

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अशोक प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-5, कान्तीनगर कालोनी, जयपुर के विषय में

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स अशोक प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम उक्त रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स एम० के० फाइनेन्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर के विषय में।

स० 1211—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स एम० के० फाइनेन्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम उक्त रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
राजस्थान

कलकत्ता, दिनांक 12 जनवरी 1978

कम्पनी अधिनियम 1956 और पि दास एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड।

यत पि दास एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पी०-3, केबडारडार्ड लेन कलकत्ता-12 में है, का समापन किया जा रहा है,

और यत अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का व्यक्तिगत हेतुक है कम्पनी के कामकाज का पूरी तौर से समापन कर दिया गया है, और यह कि स्टेटमेंट आफ अकाउन्ट्स (विवरणिया), 3-466GI/77

जा समापक द्वारा शिरो जाय के लिए अपेक्षित है, छह क्रमवर्ती मास के लिए नहीं दी गई है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में, एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर पी० दास एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतु दर्शित नहीं किया जाता है, तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० एम० मौलिक,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
कलकत्ता

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री के० मुत्तु एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1978

स 3778/560(3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री के० मुत्तु एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री देवी अम्मा ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1978

स० 4012/560(3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री देवी अम्मा ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री वेन्गोपाल चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1978

स० 5540/560(3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री वेन्गोपाल चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० अच्युतन,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्टैंडर्ड होटल्स लिमिटेड  
के विषय में

जालंधर, दिनांक 30 जनवरी 1978

सं०/जी/स्टेट/560/3452/11786—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्टैंडर्ड होटल्स लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश व चण्डीगढ़

कार्यालय, आयकर आयुक्त

कोच्चिन-682016, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

सी० नं० 2-एस्ट/गञ्ज/कोण/77-78—निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों को उनके कार्यभार लेने की तारीख से और आगामी आदेशों तक रू० 650-30-740-35-810-इ० बी०-35-880-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतन-मान में आयकर अधिकारी श्रेणी 'बी' के पद पर स्थानापन्न रूप से काम करने के लिये नियुक्त किए गए हैं।

1. श्री पी० एस० धाहुल हमीद,  
आयकर निरीक्षक, आयकर परिमंडल,  
कोटयम।
2. श्री के० एस० हमीद,  
आयकर निरीक्षक,  
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम।
3. श्री जोषकी मेयन,  
आयकर निरीक्षक,  
कार्यालय आयकर आयुक्त,  
एरणाकुलम।
4. श्री पी० जे० सैमण,  
आयकर निरीक्षक, आयकर कार्यालय,  
आलुवा।

उपर्युक्त पदों की नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी और सामयिक है, जो किसी सूचना के बिना ही समाप्त करने लायक है। इनकी नियुक्ति, उच्च न्यायालय, केरल में फायल किये हुए मूल याचिका सं० 3755/76 एल और सं० 2499/77-एल के फल पर आधारित है।

सी० नं० 1(209)/जिएल/77-78—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं आयकर आयुक्त, केरल-1, एरणाकुलम ने एतद्वारा आयकर कार्यालय कोल्लम में 'डी' वार्ड कोल्लम नामक एक नया सर्किल का सृजन करता हूं। इस वार्ड में नियुक्त किये हुए आयकर अधिकारी को आयकर अधिकारी 'डी' वार्ड कोल्लम नाम से समझा जाता है।

2. यह आदेश 20-12-1977 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

सी० नं० 1(209)/जी० एल०/77-78—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं आयकर आयुक्त, केरल-2, एरणाकुलम ने एतद्वारा आयकर कार्यालय कोट्टयम में 'ई' वार्ड कोट्टयम नामक एक नया सर्किल का सृजन करता हूं। इस वार्ड में नियुक्त किये हुए आयकर अधिकारी को आयकर अधिकारी 'ई' वार्ड कोट्टयम नाम से समझा जाता है।

2. यह आदेश 20-12-1977 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगा।

एम० ए० सुब्रमण्यम,  
आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1978

विषय:—स्थापना—राजपत्रित—पदोन्नति—तैनाती

और स्थानांतरण।

आदेश सं० 100/रा० अ०-1977-78—श्री ए० पी० जैन, निरीक्षक को अगले आदेश होने तक रू० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी श्रेणी (2) में पद पर काम करने के लिए उनके इस पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से पदोन्नत किया जाता है।

यह पदोन्नति स्पष्ट रिक्ति पर की जा रही है लेकिन वह दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष विचारधीन 1977 के सी० डब्ल्यू० पी० 341 में 1977 के सी० एम० पी० सं० 652 के संबंध में न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन होगी।

पदोन्नति के परिणामस्वरूप श्री ए० पी० जैन को अगले आदेश होने तक निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त (मुख्यालय-2) के अधीन विशेष-कार्य-आयकर अधिकारी-2 नई दिल्ली के पद पर तैनात किया जाता है।

दिनांक 20 जनवरी 1978

विषय—स्थापना—राजपत्रित—पदोन्नति—तैनाती और स्थानांतरण ।

सं० 114/रा० अ०/1977-78—निम्नलिखित निरीक्षकों को अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी (श्रेणी-2) के पद पर काम करने के लिए उनके इस पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से पदोन्नत किया जाता है ।

सर्वश्री

1. एस० आर० गुप्ता,
2. आर० एल० धीर,
3. जे० एल० मरवाह,
4. ए० सी० सेठी

ये पदोन्नतियाँ स्पष्ट रिक्तियों पर की जा रही हैं लेकिन वे दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन 1977 के सी० एम० पी० सं० 652, 1977 के सी० डब्ल्यू० पी० 341 के संबंध में न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन होंगी ।

इन पदोन्नतियों के परिणामस्वरूप निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तत्काल करने के आदेश दिए जाते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	स्थानांतरण के बाद तैनाती	अभ्युक्ति
सर्वश्री				
1.	एस० आर० गुप्ता	पदोन्नत होने पर	उनकी सेवाएं आयकर आयुक्त, दिल्ली-3 को सौंपी जाती हैं ।	
2.	आर० एल० धीर	-वही-	उनकी सेवाएं आयकर आयुक्त, दिल्ली-4 को सौंपी जाती हैं ।	
3.	जे० एल० मरवाह	-वही-	उनकी सेवाएं आयकर आयुक्त, दिल्ली-4 को सौंपी जाती हैं ।	
4.	ए० सी० सेठी	-वही-	उनकी सेवाएं आयकर आयुक्त, दिल्ली-3 को सौंपी जाती हैं ।	

क० न० बुटानी  
आयकर आयुक्त

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० 29/आर-II/कल०/77-78—अतः  
मुझे, एल० के० बालासुब्रामनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 77/1, है जो बिरेन राय रोड (अयेण्ड) में स्थित  
है (और इससे उपासद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जायन्ट सब रजिस्ट्रार  
अलीपुर बेहाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 13-9-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनिक लाल सेन (अन्तरक)
2. (1) अरधेन्द्र सेश्वर दे, (2) पुस्कर चन्द्र दे, (3) मदन  
मोहन दे, मृत कुन्ज बिहारी दे का सम्पत्ति की वंश प्रति-  
निधि और रक्षक (अन्तरिती)
3. मै० मधुसूदन भान्डार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 77/1/1, बिरेन राय रोड (अयेण्ड) बेहाला  
अवस्थित दो तला मकान है जमीन का परिमाण 9(7) कटा।

एल० के० बालासुब्रामनियन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 10-1-1978  
मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जनवरी 1978

निर्देश न० ए-पी-1744—यतः मुझे बी० एम० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जी० टी० रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अजमेर सिंह पुत्र श्री डब्लु सिंह तथा श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री अजमेर सिंह, गांव तथा डाकखाना आउर, तहसील जालन्धर । (अन्तरक)
2. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री डोगर सिंह गांव मोरांवानी, तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखना हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी, जैसा कि विलेख नं० 1937 जून 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखी है ।

बी० एम० दहिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31-1-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 3-एफ/एक्यू०—अतः मुझे, अमर सिंह बिसने आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सख्या बिल्डिंग नं० 6 म्यूनििसिपल नं० 62/8 है तथा जो स्टेशन रोड, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-6-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती सर्वद्विनसां बेगम (2) श्रीमती फकहनिसां बेगम (3) श्री नवाब रजा हुसैन खां (अन्तरक)

2. मसर्ज फेयर डील इन्वेस्टमन्ट प्रा० लिमिटेड, लखनऊ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बिल्डिंग नं० 6, (म्यूनििसिपल नं० 62/8) स्टेशन रोड, लखनऊ, क्षेत्रफल 4000 स्कवियर फुट और वह सब जैसा कि फार्म 37-जी नं० 1930/77 तथा सेल डीड दिनांक 20-6-77 में सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह बसेन;  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 16-12-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम० --

1. श्रीमती जन पीय डीय, पिबार्ग 73/13 पालम एक्व्यू  
कलकत्ता (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

निर्देश नं० जी आई आर नं० एम-100/एसीक्यू--अनं मुझे  
अमर सिंह बसेन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2931 स्टनली रोड आन नजल प्लॉट नं०  
22ए है तथा जो स्टनली रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1977  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगा  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम का भाग 269-ख के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख को उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :-

2. श्री महमूद अहमद व अन्य इलाहाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
निर्णायकताद्वारा प्रतीत :-

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में ममान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पारपटी नं० 29231, स्टनली रोड, इलाहाबाद आन नजल  
प्लॉट नं० 22ए/1, क्षेत्रफल 481.53 स्क्वयर मीटर तथा वह  
अब विवरण जो सेल डीड तथा फार्म 37-जी आफ नं० 1485  
दिनांक 2-6-77 में सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दर्ज  
है।

अमर सिंह बसेन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 19-12-77  
मोहर:

परक्य आई० सी० गन० एम्प०

1 श्री कृष्ण स्वरूप अग्रवाल पुत्र विशन स्वरूप अग्रवाल  
निवासी 311 शोकन बाग गिथिल लाइन्स झांसी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

महानिय, महानिय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी 1978

2 श्रीमती पिस्ता कुमारी पुत्री उम्मीद लाल जैन द्वारा  
भीम फाउनेशिय कारपोरेशन चिरगाव तहसील मोठ  
जिला झांसी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निदेश नं० अर्जन/542/झांसी/77-78/6805—अतः मुझे  
आर० पी० भार्गव।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में  
अधिक है

और जिसकी स०..... है तथा जो.....में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय झांसी में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-9-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 314 कृष्ण कुटीर सिविल लाइन्स झांसी  
जो कि 45000/- विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

महानिय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 4-1-1978

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 जनवरी 1978

निदेश नं० 777ए/अर्जुन/मेरठ/77-78/7409—अतः मुझे  
आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं०.....है तथा जो.....में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
22-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

4-466G/77

1. श्री राम निवास पुत्र अनोखे लाल नि० सरोजनी नगर  
दिल्ली एवं अनोखे लाल पुत्र आकार दत्त एवं अवध  
नारायण पुत्र गुरुवर नारायण डालमपाड़ा मेरठ। (अन्तरक)
2. श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र वारा सिंह संदीप कुमार (अव्यक्त)  
पुत्र हरवीर सिंह नि० बमनौली त० संरचना जिला  
मेरठ उत्तर सिंह पुत्र राम चंद्र सिंह स्वयं पिता एवं संरक्षक  
राजीर कुमार नि० राजपुर कला त० जानसठ मु०  
नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट 1000 वर्ग गज नं० 5214 स्थित  
मोहनपुरी जिला मेरठ 40,000/ के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 24-1-78

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1978

निर्देश नं० 9427/अर्जन/मसूरी/77-78—अतः मुझे  
आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मसूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. दीना नाथ पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मण दास जी रामप्रकाश पुत्र स्वर्गीय श्री ज्ञान चन्द जी, तिलक राज खेरपुत्र ज्ञान चन्द विजय कुमार एवं श्रीराम कुमार पुत्रगण बाल किशनदास खेर एवं श्रीराम खेर पुत्र स्वर्गीय लाला सीता राम जी द्वारा मैमर्स ज्ञान चन्द दीना नाथ नया बाजार देहली । (अन्तरक)

2. श्रीमती रामबीरी देवी पत्नी सुरेन्द्र सिंह मलिक निवासी दून व्यु काटेज नार्थ साइड पंचो वांची कुटीर मसूरी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अबत संपत्ति दून व्यु काटेज नार्थ साइड मसूरी का आधा भाग 35,000/- के लिए विक्रय मूल्य में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत

रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1978

निर्देश सं सीएचडी/30/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

पठानिया सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज रोहतक और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका रकबा 27 कनाल 2 मरले है तथा जो मलोया ग्राम चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम स्वरूप पुत्र श्री भबुल सिंह गांव मलोया (चंडीगढ़)  
अब मारफत श्री मेहर सिंह पुत्र श्री नेत राम ग्राम होली  
डाकखाना बरारा तहसील व जिला अम्बाला  
(अन्तरक)

2. श्री जगदे सिंह पुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह ग्राम लाल कला  
तहसील ममराला जिला लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका रकबा 27 कनाल 2 मरले है तथा जो ग्राम मलोया (चंडीगढ़) में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 130 मास मई 1977 में दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 24 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1978

निर्देश सं० केटीएल/5/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा काटन जिनिंग फैक्टरी है तथा जो जाकोला अड्डा कैथल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैथल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री राम निवास जय देव, अरजन दास गोबिन्द राम पुत्राण श्री जैली राम (2) श्री जैली राम पुत्र श्री नथू राम निवासी ग्राम बनेरखा तहसील नरवाना जिला जींद (अन्तरक)
2. (1) श्री बाबू राम पुत्र श्री मोमन राम (2) श्री रुद्र सिंह पुत्र श्री बाबू राम, (3) श्री जय भगवान पुत्र श्री जुगलाल (4) श्रीमति चमेली देवी पत्नी श्री गौरी मल (5) श्रीमती रामकला देवी पत्नी श्री राम निवास मार्फत श्री राम भज जय भगवान नई मंडी जाकोला अड्डा कैथल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

काटन जिनिंग फैक्टरी जोकि पहले गुरुदेव काटन तथा आयल फैक्टरी के नाम से जानी जाती थी तथा अब रामभज जय भगवान काटन जिनिंग फैक्टरी जाकोला अड्डा, कैथल के नाम से जानी जाती है

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय कैथल के रजिस्ट्री क्रमांक 433 भाग मई 1977 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 24-1-78

मोहर :

प्रारूप आर्टी० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज मोनीपत राड राहनव

रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1978

निदेश स० कंटीणल/4/77-78—अतः, मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया सहायक आयकर आयुक्त अर्जुन रेज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी स० 1/2 हिस्सा काटन जिनिंग फैक्टरी है तथा जो जाकोला अडा कैंपन में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैथल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख मई, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण किये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1 सर्वश्री राम निवास जयदेव नव अर्जुन दाम गोविन्द राम पुत्रगण श्री जैली राम (2) श्री जैली राम पुत्र श्री नत्थू मल निवासी ग्राम बलेरखा तहसील नरवाना ।  
(अन्तरक)

2 (1) श्री राम निवास पुत्र श्री टेकचन्द (2) श्रीमति लीला वत्ती पत्नी श्री ओम प्रकाश (3) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री राम भज (4) श्री लछमन दास पुत्र श्री तेज राम (5) श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री लछमन दास मार्फत स० राम भज जय भगवान जाकोला अड्डा, कैथल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी याप की वास्तविकता अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुर्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी याप या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुर्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ में उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

काटन जिनिंग फैक्टरी जो कि पहले गुरुदेव काटन तथा आयल फैक्टरी के नाम से जानी जाती थी तथा अब राम भज जय भगवान काटन जिनिंग फैक्टरी के नाम से जानी जाती है

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कैथल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 432 मास मई 1977 का दर्ज है) ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, रोहतक

तारीख : 24 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मोनोपत

रोहतक, दिनांक 25 जनवरी 1978

निर्देश सं० केटीएल/3/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 हिस्सा कुल भूमि 9 कनाल 15 मरले है तथा जो पट्टी गद्दर, कैथल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैथल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित बातें, पर्याप्त:-

1. (1) श्री हरमोत सिंह पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह (2) श्रीमती नगिन्द्र कौर पत्नी श्री इन्द्रजीत सिंह (3) श्री राजेन्द्र सिंह (नाबालग) मार्फत मुख्तियार आम श्री मंगल सैन पुत्र श्री लक्ष्मी दाम मनेजर, गुरु राम दाम रोलर मिल, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री जवाला दास (2) श्रीमती नीलम लता पुत्री श्री हुकम चन्द (3) श्री ओमे कुमार पुत्र श्री रोशन लाल (4) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री नरसिंह दास (5) सर्वश्री सतीश, विमल पुत्रान श्री हुकम चन्द (6) श्रीमती विजय रानी पत्नी श्री पुष्पिन्द्र कुमार सभी मार्फत ला० हुकम चन्द मिक्का, यनाईटिड इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन, कैथल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कर्तव्य किया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा भूमि 9 कनाल 15 मरले जोकि पट्टी गद्दर कैथल में स्थित है और जिसका कुल रकबा 5850 वर्गगज तथा जिसका 1/3 भाग 1950 वर्गगज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय कैथल में रजिस्ट्री क्रमांक 401 मास मई, 1977 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 25-12-1977

मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत

रोहतक, दिनांक 25 जनवरी 1978

निदेश सं० केटीएल/2/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 1/3 हिस्सा कुल भूमि 9 कनाल 15 मरले है तथा जो पट्टी गद्दर, कैथल में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैथल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्णान्तः—

1. (1) श्री हरमीत सिंह पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह (2) श्रीमती गरिमा लाला रानी श्री इन्द्रजीत सिंह (3) श्री राजेन्द्र सिंह (नाबालग) मार्फत मुख्तियार आम श्री मंगल सैन पुत्र श्री लक्ष्मी दाम मैनेजर, गुरु राम दाग रोलर मिल, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री जवाला दास (2) श्रीमती नीलम लता पुत्री श्री हुकम चन्द (3) श्री अभे कुमार पुत्र श्री रोशन लाल (4) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री नरसिंह दाग (5) सर्वश्री सतीश बिमल पुत्रान श्री हुकम चन्द (6) श्रीमती विजय रानी पत्नी श्री पुष्पिन्द्र कुमार सभी मार्फत ला० हुकम चन्द मिकका, युनाईटेड इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन, कैथल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/3 हिस्सा भूमि 9 कनाल 15 मरले जोकि पट्टी गद्दर कैथल में स्थित है और जिसका कुल रकबा 5850 वर्गगज तथा जिसका 1/3 भाग 1950 वर्गगज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय कैथल में रजिस्ट्री क्रमांक 400 भास मई, 1977 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 25-1-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत

रोहतक, दिनांक 25 जनवरी 1978

निर्देश सं० केटीएल/6/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० 1/3 हिस्सा कुल भूमि 9 कनाल 15 मरले है तथा पट्टी गद्दार, कैथल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैथल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री हरमीत सिंह पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह (2) श्रीमती नरिन्द्र कौर पत्नी श्री इन्द्रजीत सिंह (3) श्री राजेन्द्र सिंह (नाबालग) मार्फत मुख्तियार आम श्री मंगल सैन पुत्र श्री लक्ष्मी दाम मैनेजर, गुरु राम दास गोलर मिल्, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री जवाला दाम  
(2) श्रीमती नीलम लता पुत्री श्री हुकम चन्द  
(3) श्री अम्रे कुमार पुत्र श्री रोशन लाल  
(ने) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री नरगम दाम  
(5) सर्वश्री मतीश, बिमल पुवान श्री हुकम चन्द  
(6) श्रीमती विजय रानी पत्नी श्री पुष्पिन्द्र कुमार सभी मार्फत लाला हुकम चन्द मिक्का, यूनाईटेड इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन, कैथल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3 हिस्सा भूमि 9 कनाल 15 मरले जोकि पट्टी गद्दार कैथल में स्थित है और जिनका कुल रकबा 5850 वर्गगज तथा जिनका 1/3 भाग 1950 वर्गगज हैं।

(सम्पत्ति जैसेकि रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय कैथल में रजिस्ट्री क्रमांक 1853, माघ नवम्बर, 1977 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 25-1-78

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, सोनीपत

रोहतक, दिनांक 25 जनवरी 1978

निदेश सं० सीएचडी/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रंज रोहतक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० चक्की जोकि प्लॉट नं० 350 मेन मारकीट सेक्टर 16 डी में है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की नाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

S-466GI/77

1. श्री प्रह्लाद अरोड़ा पुत्र श्री जवाहर लाल मकान नं० 3230, सेक्टर 15-डी चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. (1) श्री राम कुमार पुत्र श्री श्रीराम (2) श्रीमती दर्शना देवी पत्नी श्री राम कुमार मार्फत मै० शक्ति पलोेर मिलज सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बनी हुई चक्की जोकि मेन मारकीट, सेक्टर 16-डी चण्डीगढ़ में है और प्लॉट का रकबा 469 वर्ग गज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय, चण्डीगढ़ के रजिस्ट्री क्रमांक 298 मास जून, 1977 में अंकित है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 25 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक दिनांक 28 जनवरी 1978

निर्देश सं० पी० एम पी०/5/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र  
कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संप्लाट 1 सी नारायण सिंह पाक है तथा जो पानीपत  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई,  
1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

1. रायसाहिब चौ० प्रताप सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह,  
57. माडल टाऊन, करनाल (अन्तरक)

2. (1) श्री बलदेव राज (2) इन्द्र राज (3) मनोहर  
लाल पुत्र श्री बुद्ध राम गांव व डाकखाना रारेकला तहसील  
जिला करनाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1-सी नारायण सिंह पार्क पानीपत जिसका रकबा  
457 वर्गगज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में  
रजिस्ट्री क्रमांक 428 तिथि 10-5-77 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 28-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 16 जनवरी 1978

निर्देश सं 63/77-78/आई० ए० सी० (ए/आर)/बीबी एंड आर०

अतः मुझे अमरेन्द्र नाथ मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं खाता नं० 138 है जो अंगार गड़िया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बालेश्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-6-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती पाबितामणी बेवा स्वामी स्वर्गट पुर्ण चन्द्र बेहेरा (अन्तरक)

2. श्री पुर्नचन्द्र साहु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन मौजा अंगार गड़िया खाता नं० 13 में स्थित है। वह जमिन बालेश्वर सब-रेजिस्टार आफिस में 1-6-77 तारीख में रेजिस्टारद्वारा जिसका डाकुमेंट नं० 3155 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भुवनेश्वर

तारीख : 16-1-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर दिनांक 21 जनवरी 1978

निर्देश सं 66/77-78 आई०ए०सी० (ए/आर) /बी बी एंड आर  
अतः मुझे अमरेन्द्र नाथ मिश्र से  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये  
से अधिक है  
और जिसकी सं० भाटा न० 1062 है जो टाउन बिसिनबर में स्थित है  
(और इससे उपायद्व अनुसूची में औरपूर्ण रूप से गित है) रजिस्ट्री  
कर्ता अधिारी के कार्यालय जिला सबरेजिस्ट्रार कटक में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
15-6-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः :—

1. (1) श्री प्रताप चन्द्र दास (2) प्रकाश चन्द्र दास  
(अन्तरक)
2. (1) श्रीमती बिटोदेवी केडिआ (अन्तरिती)
2. स्वामी नन्दलाल केडिआ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमिन कटक टाउन का भौजा-टाउन बिसिनबर खाता नं०  
1062 पर स्थित है वह जमीन कटक जिला सबरेजिस्ट्रार आफिस  
में 15-6-77 तारिख में रेजिस्टार हुआ जिसके डाकुमेंट नं०  
3075 है ।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज भुवनेश्वर

तारीख : 21-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भुवनेश्वर, दिनांक 20 जनवरी 1978

निर्देश सं० 65/77-78/आई०ए०सी०(ए/आर)/बी० बी०  
एंड आर० अतः मुझे अमरेन्द्र नाथ मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं०-3190 है, जो टाउन विभिन्नबर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रार की कार्यालय, जिला सब-रजिस्ट्रार कटक  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 13-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तबिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रभास चन्द्र दास (2) प्रभात चन्द्र दास (3) द्रोपदी  
दास (अन्तरक)

2. श्रीमती बिटोदेवी केडिया, स्वामी नवलाल केडिया  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन कटक टाउन का मौजा टाउन विभिन्नबर, प्लॉट नं०  
3190 पर स्थित है। वह जमीन कटक जिला-सब-रजिस्ट्रार कार्यालय  
में 13-6-77 तारीख में रजिस्ट्रार द्वारा, जिसका डाकुमेंट नं०  
3050 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 20-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I

अहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1290 (625)

/10-6/77-78 यतः मुझे एस० सी० परीख,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3846 है, जो दवारका, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कल्याणपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 9-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री गाएकवाड रीअल एस्टेट ट्रेडर्स, की ओर से पावर आफ एटोर्नी होल्डर, श्री रघुनाथ बाबाजी मगवेकर, बड़ोदा (अन्तरक)

(2) (1) श्री गणेश भैया शुकाई भया परदेशी (2) श्री दयाराम बसरमल बड़ोदा पंजाबी, अजमेर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अखिल सम्पत्ति जो 10963/78 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 3846 है तथा जो दवारका, डि० जामनगर में स्थित है, तथा जिसका पूरण बरपन 9-6-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 667 में विया गया है।

एस० सी० परीख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 5-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अमदाबाद, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1314 (628)/1-1/77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 9, सब प्लॉट नं० 1, टी० पी० एस०-20 है, जो वाडज अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रजनीकांत लक्ष्मीचंद संघवी, कोमर्स कोलेज प्रिंसिपल का बंगला, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (i) श्री नंदलाल लक्ष्मीचंद संघवी, कोमर्स कोलेज प्रिंसिपल का बंगला, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9

(ii) श्री नंदलाल लक्ष्मीचंद संघवी,

(iii) श्री जशवंतलाल लक्ष्मीचंद संघवी, 16, स्थानकवाडी सोसायटी, नारायणपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति के दूसरी मंजिल का कुछ भाग, जो 233 वर्ग मीटर पर स्थित है तथा जिसका एफ० पी० नं० 9, सब प्लॉट वर्ग मीटर पर स्थित है तथा जिसका एफ पी० नं० क, एस प्लॉट नं०-1, टी० पी० एस०-20 है तथा जो, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 27-6-77 वाले बित्री देस्तावेज नं० 4185 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 13-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

निदेश सं० पी० आर० 542/एसीक्यू० 23-960/77-78—

अतः, मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2827 और 2828 एपार्ट वार्ड नं० 12 है, तथा जो सैयदपुरा, पारसी अगियारी के पास, सूरत में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. अर्देसर होरमसजी भरूचा फ्लेट नं० 1, पहला मंजला, नगीना महल, बीर नारीमन रोड, चर्च गेट, बम्बई।

(अन्तरक)

2. (1) नागजीभाई वणरामभाई, (2) जयरामभाई वणरामभाई, मोनपुर, ता० वल्लभीपुर, जिला : भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान (चालू बांध काम) जिसका बोध नं० 2827 2828-ए०, वार्ड नं० 12 कुल माप 51 वर्ग गज तथा 47-7 वर्ग गज है और जो सैयदपुरा, पारसी अगियारी के पास, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जून 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1187 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 12-1-1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जनवरी, 1978

निर्देश सं० ए०सी० क्यू० 23-I-543 (631)/1-1/77-78

अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 33 तथा 34, एस० पी० नं० 12-बी, टी० पी० एस० नं० 15, है, जो एलिसब्रिज, उसमानपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुधुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(—466GI77

1. श्री हर्षदभाई चंद्रकांत राघव दरीयापुर पटेल को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लि० उसमानपुरा, अहमदाबाद-13 । (अन्तरक)

2. श्री रमणलाल पुरषोत्तमदास पटेल,  
(2) श्री जवेरभाई पुरषोत्तमदास पटेल,  
(3) श्री नगीनभाई पुरषोत्तमदास पटेल,  
(4) श्री रमेशचन्द्र सोमाभाई पटेल,  
बंगलो नं० 23, महादेवनगर सोसायटी, स्टेडियम रोड, अहमदाबाद-14 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजला मकान जो 231 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका फायनल प्लॉट नं० 33 तथा 34, सब प्लॉट नं० 12-पी है तथा टी० पी० एन० नं० 15 है तथा जो सोमनाथ रोड उसमानपुरा, अहमदाबाद में स्थित है।

एम० सी० परीख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 19-1-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जनवरी, 1978

निदेश सं० पी० आर० 546/ए० सी० क्यू० 23-978/  
19-7/77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जोध नं० 342-बी बार्ड नं० 10 है तथा जो भगा तालाय, गांधी चौक के पास, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) बाबूभाई रमणीकलाल मेहता ज्ञानदीप सोसायटी, अथवा लाइन्स सूरत । (2) सुरेश चन्द्र रमणीक लाल मेहता ज्ञानदीप सोसायटी, अथवा लाइन्स सूरत (अन्तरक)

2. श्री आदमजी मूसाजी बादात, अंकलेश्वर, जिला भरुच कुल मुख्तार : मोहमद शबीर अहमद घी बाला, रामपुरा छदौला, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जिसका नोंध नं० 342-ए और 342-बी बार्ड नं० 10, कुल माप 25-32-05 + 37-38-97-62-71-02 वर्ग मीटर है और जो भगत तलाव गांधी चौक के पास सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के मई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 841 और 842 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 21-1-1978  
मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 फरवरी 1978

निदेश सं० एलडीएच/44/77-78—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी०V/II43 मुहल्ला सोनीया है तथा जो 136½ ब मे जो कि पुराना बाजार लुधियाना में है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ज्ञान वती विधवा श्री उत्तम चन्द बी V/1143 मुहल्ला सोनीया पुराना बाजार, लुधियाना (अन्तरक)

2. मैं: हीरा मोती हीजरी एन्ड टैक्सटायल मिल्स पुराना बाजार लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-V/1143 मुहल्ला सोनीया पुराना बाजार लुधियाना

(जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 475/मई 1977 में दर्ज है)

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 फरवरी 1978

निदेश सं० एलडीएच/76/77-78--अतः मुझे नत्थू  
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-29, 222<sup>2</sup> वर्ग गज है  
तथा जो इन्डस्ट्रियल स्टेट लुधियाना में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में मई 1977 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री वरिन्द्र गुप्ता पुत्र श्री ओम प्रकाश गुप्ता  
(2) श्रीमती चन्द्र कान्ता पत्नी श्री ओम प्रकाश गुप्ता  
बी-10/30 इकबाल गन्ज लुधियाना  
(अन्तरक)

2. श्री विश्वा मित्र पुत्र श्री ज्ञान चन्द मलिक नय्यर  
मैटल वर्कस इन्डस्ट्रीयल ऐरीया-बी लुधियाना वासी बी-1 803  
प्रेम नगर, सिविल लाइन, लुधियाना  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-29, 222<sup>2</sup> वर्ग ग० इन्डस्ट्रीयल ऐस्टेट  
लुधियाना।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 685,  
मई 1977 लुधियाना कार्यालय में दर्ज है)।

नत्थू राम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 फरवरी 1978

निदेश सं० एलबीएच/75/77-78/ ---अतः मुझे  
नत्थू राम,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं भूमी 675 वर्ग गज आधा हिस्सा 1350 वर्ग  
गज का नं० बी०-XIX/328/1 है तथा जो डा० गाम सिंह रोड  
सिविल लार्डनज लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—1. श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री साधू राम 307—चौक  
नीमवाला, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री

(i) निरमल कुमार जैन, } पुत्र श्री धर्म प्रकाश जैन।  
(ii) अनिल कुमार जैन }बासी सिविल लार्डनज गुप्ता बिल्डिंग लुधियाना।  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 675 वर्ग गज है (जो  
1350 वर्ग गज का आधा होता है) जिसका नं० बी XIX/  
328/1 और जो गाम सिंह रोड लुधियाना से स्थित हैजायदाद जैमा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के  
विलेख नं० 678/मई 1977 में दर्ज है।नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियानातारीख : 2-2-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 फरवरी 1978

निदेश सं० एलडीएच/104/77/78—अतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 675 व० ग० प्लॉट 1350 व० गज में के नं० बीXIX/328/1, डा. शाम सिंह रोड सिविल लाइन, लुधियाना में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री साधु राम 307, चौक नीमवाला लुधियाना

(अन्तरक)

2. सर्वश्री कोमल कुमार जैन

प्रफुल कुमार जैन पुत्रान धर्म प्रकाश जैन वासी गुप्ता बिल्डिंग, सिविल लाइन लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा जायदाद नं० बी०XIX /328/1, 1350 व० गज का आधा भाग 675 व० गज।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 925/जून 1977 में दर्ज है

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 फरवरी 1978

निदेश सं० एलडीएच/59/77-78—अतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा एक घर का जिसका क्षेत्रफल 108 वर्ग गज है तथा जो पुराना बाजार लुधियाना, नं० 3, 372 मुहल्ला बकीला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती सरला बैरी पुत्री श्रीमती भगवती विधवा श्री हरभगवान दास

(2) निरमला वर्मा पुत्री श्रीमती भगवती विधवा हरभगवान दास वासी अम्बाला अब पुराना बाजार लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री गुरसरन सिंह पुत्र श्री गुदिपाल सिंह वासी 372 पुराना बाजार, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 की में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मकान आधा हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 108 वर्ग गज है और जो पुराना बाजार नं० 3, 372 मुहल्ला बकीला में स्थित है।

जामदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 579/मई 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 फरवरी 1978

निदेश सं० एलडीएच/60/77-78 --अतः मुझे नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 108 वर्ग गज है (जो कि 216 वर्ग गज का आधा हिस्सा होता है) तथा जो पुराना बाजार महला वकीला, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निर्दिष्ट व्यक्तिओं, अर्थात् :--

1. श्री भीम सैन भल्ला पुत्र श्री गोकल चंद वासी बी० 3. 372 महला वकीला लुधियाना

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल सिंह पुत्र श्री बाबू सिंह बी० 3. 372 पुराना बाजार महला वकीला लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि 108 वर्ग गज जो की पुराना बाजार बी० 3. 372 महला वकीला लुधियाना में स्थित है

(जायेदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 586 में दर्ज है)

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 2-2-1978

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 5 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं० आय० ए० सी०/अर्जन/53/77-78—यतः

मुझे, ह० च० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 का 752 स्के० मीटर भाग है तथा जो गोकुलपेठ ले आउट नागपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स ठाकूरदाम पुसालाल गुप्ता, तुमसर, जि० भंडारा । (अन्तरक)

2. श्री रामचंद्र लधाराम पाहवा, गांधीबाग, नागपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एन० आय० टी० प्लॉट नं० 1 का-752 स्केयर मीटर भाग नवाब ऐरीया, गोकुलपेठ (गोरेपेठ) ले आउट नागपुर

ह० च० श्रीवास्तव  
समक्ष अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 5-12-1977  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 6 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/54/77-78—यतः

मुझे ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2/3 भाग प्लॉट नं० 106, 105 का 18000 स्क्व० फीट है तथा जो न्यू रामदास पेठ, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, क अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री निरंजनलाल रामवल्लभ खेमका
- (2) श्री सुशिलकुमार निरंजनलाल खेमका
- (3) श्रीमती रुक्मिणीबाई निरंजनलाल खेमका सभी रहने वाले मौंट रोड नागपुर के

(अन्तरक)

- (4) श्री विजयप्रकाश बेनीप्रसाद कनोरियां
- (5) श्री जयप्रकाश बेनीप्रसाद कनोरियां सभी रहने वाले घाट रोड नागपुर के

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

2/3 भाग प्लॉट नं० 106 और 105, एरिया 18000 स्क्व० फीट मकान नं० 107 और 108 (पुराना) मकान नं० 113 वार्ड नं० 72 (पुराना नं० 41) न्यू रामदास पेठ, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 6-12-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० आय० ए० सी०/ए० सी० न्यू०/56/77/78—

यतः मुझे ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 515 पर का मकान 742 चौरस  
फीट है तथा जो चंदनबाई लेआउट नागपुर में स्थित है (और  
इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री संभा तुलसीराम खोत चंदनबाई लेआउट नागपुर।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री क्षिगरूजी फकिराजी सेलूकर चंदनबाई  
लेआउट, नागपुर

(2) श्री रामाजी क्षिगरूजी सेलूकर टिमकी, नागपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 515 का भाग मकान 742 चौरस फिट,  
जोड 3015 चौरस फिट चंदनबाई लेआउट नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 14-12-1977  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 जनवरी 1978

निर्देश सं०

यतः

मुझे, ह० च० श्रीवास्तव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9, मकान नं० 912 (नया) है  
तथा जो इमामवाड़ा रोड, नागपुर में स्थित है (और इसमें  
उपलब्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-7-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री फूलचंद नयमल शर्मा, नई शंकरवारी, नागपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री पुरनलाल रामनिवास अग्रवाल, प्रो० मैसर्स प्रकाश  
ट्रेडर्स, इमामवाड़ा रोड, नागपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एन० आ० टी० प्लॉट नं० 9, 5449 स्कैअर फीट  
जो सकेल नं० 2 डी०, नं० 1, वार्ड नं० 5, साथ में मकान  
नं० 912 (नया) इमामवाड़ा रोड, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 11 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं०

यतः

मुझे, ह० च० श्रीवास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 2/3, भाग, प्लॉट नं० 106, ओ 105 का 18000 स्क्वैर फीट है तथा जो न्यू रामदासपेठ नागपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अन्य शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री कमल कुमार निरंजनलाल खेमका
- (2) श्री सुशिल कुमार निरंजनलाल खेमका
- (3) श्री निरंजनलाल रामवल्लभ खेमका,
- (4) श्रीमती रूखमिनीबाई निरंजनलाल खेमका, सभी रहने वाले मीट रोड, नागपुर के।

(अन्तरक)

2. (1) श्री विजयप्रकाश बेनीप्रसाद कनोटियां
- (2) श्री जयप्रकाश बेनीप्रसाद कनोटियां, सभी रहने वाले घाट रोड, नागपुर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

2/3 भाग प्लॉट नं० 106 और 105 एरीया 18000 स्क्वैर फीट मकान नं० 107 और 108 (पुराना) मकान नं० 113, बार्ड नं० 72 (पुराना नं० 41) न्यू रामदास पेठ, नागपुर।

ह० च० श्रीवास्तव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 6-12-1977

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1978

निर्देश सं० 3871/मे/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पल्लावरम, 129 पम्मल गांव, एस० सं० 94/4 में मकान स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पलावरम (डांकुमेंट 390/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख 27-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

- (1) 1. श्री ए० एन० परसुराम।
2. श्री ए० पी० नारायणन।
3. श्री ए० पी० वेकटाचलम।
4. श्री ए० पी० कृष्णमूर्ती।
5. श्री ए० पी० आनन्त पत्तनाबन।
6. श्री ए० पी० श्रीनिवासन।

(अन्तरक)

- (2) बुबनेस्वरि एंड कम्पनी

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैतापट तालुक, पल्लावरम, सं० 129 पम्मल गांव, स्वे सं० 94/4 में मकान (डोर सं० 71, तीरुमीसै रोड मद्रास-44 (डांकुमेंट सं० 390/77)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-1-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एस० सिवराम अय्यर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री डी० नागलिंगम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास-600008, दिनांक 30 जनवरी 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 3869/में/77—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 15, 16 और 17, एम० के० एन० रोड,  
आलन्दूर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, आलन्दूर (डाकुमेंट 174/177) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
1977

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मद्रास, आलन्दूर, सं० 15, 16 और 17 में भूमि और  
मकान (एस० सं० 4/1)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 30-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री डी० वेंकटेश्वरन ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० ओ०, श्रीनिवास अय्यन्कार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1978

निर्देश सं० 4294/मे/77—यतः मुझे, के० पोन्नन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 15/12 ए, जी० एस० सं० 445/1, 354, 353, 356/1, टी० एस० सं० 12/135/4 संकनूर गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम 'डॉक्यूमेंट 379/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका—संकनूर गांव, जी एस० सं० 354/1, 354, 353, 356/1—टी० एस० सं० 12/135/4, डोर सं० 15/12 ए, में भूमि और मकान ।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 30-1-1978

मोहर :



प्रारूप आर्द० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-600008

मद्रास-600008, दिनांक 30 जनवरी 78

निर्देश सं० 4302/मे/77—यतः मुझे, के० पोन्न सक्षम प्राधिकारी, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० डोर सं० 308,—334, एस० सं० 283/1 संगनूर गांव, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम 'डॉकुमेण्ट 391/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख में 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—466GI/77

1. श्री एस० राममामि गौन्डर और के० एम० पट्टिय गौन्डर।

(2) श्रीमती वेलम्माल और वेकटम्माल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० रामावकाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्बतूर, संगनूर गांव एस० सं० 283/1, डोर सं० 308—334, में भूमि और मकान।

के० पोन्न  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 30-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123 मोर रोड मद्रास 600006

मद्रास-600006, दिनांक 30 जनवरी 1978

निर्देश सं० 4309/मे/77--यतः, मुझे, के० पोन्नन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 10/158/2 कृष्णरायपुरम  
गांव, कोयम्बेत्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध/अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मे० जे० एस० आर० 1, कोयम्बेत्तूर (डॉकुमेण्ट 1167/  
1977) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 31-5-1977

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाधा, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री आर० कुलसेकर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एन० जयमनि और श्री डी० नारायणसाभि।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बेत्तूर, कृष्णरायपुरम गांव, टी० एस० सं० 10/  
158/2 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 30-1-1978  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 जनवरी 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/381--यतः, मुझे, माधव प्रसाद वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 29 है तथा जो कोटामे स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटामे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-5-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति :—

1. श्री रामेश्वर प्रसाद व हरिश्चन्द्र पुत्र श्री कल्याण-मल जी पुरानी धानमंडी, कोटा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार, प्लॉट नं० 29 नई अनाज मंडी, कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 29, नई धान मंडी, पर बने हुये मकान का उत्तरी भाग व दुकान, जो उप पंजीयक कोटा द्वारा दिनांक 6-5-77 को क्र० सं० 444 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवर्णित है।

माधव प्रसाद वशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 24-1-78

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 जनवरी 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० अ० अर्जन/382—यतः मुझे,  
माधव प्रसाद वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 29 है तथा जो कोटा में स्थित है, और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-5-1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, नांक अर्थात् :—

1. श्री रामेश्वर प्रसाद व हरिश्चन्द्र पुत्र श्री कल्याण  
मल जो पुरानी धानमंडी, कोटा।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री कन्हैयालाल महाजन, प्लॉट  
नं० 29 नई अनाज मंडी, कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

सावधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 29 नई धानमंडी, कोटा पर बने हुए मकान का  
दक्षिणी हिस्सा, जो उप पंजीयक कोटा द्वारा दिनांक 6-5-  
1977 को क्र० सं० 445 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत  
रूप में विवर्णित है।

माधव प्रसाद वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 24-1-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 13 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए-145/गौ/77-78/1245-48---यत. मुझे,  
एगबर्ट सिंग,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी दांग सं० 356 और के० पी० पत्ता सं० 10 है तथा जो जतिया गांव मौजा बेलटोला गौहाटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908) 1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री चन्दन हजारिका, स्वारगिये ईन्द्र हजारिका का पुत्र,  
जतिया गांव, बेलटोला मौजा, गौहाटी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अरुण शंकर भादुरी,

2. श्री अमितभा शंकर भादुरी स्वारगीए अमृत्या  
चन्द्र भादुरी का पुत्र।

3. श्री अरुण शंकर भादुरी, श्री अरुण शंकर भादुरी  
का पुत्र सोनापुर टी---कम्पनी, सोनापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन के परिमाण 2(दो) बिघा 3(तीन) कट्टा जोकि जतिया गांव मौजा बेलटोला, गौहाटी, जिला कामरूप आसाम प्रदेश में स्थित है और इसके साथ में एक गोदाउ प्राच 11500 वर्ग फीट होगी। यह दांग सं० 356 और के पी० पत्ता सं० 10 में पड़ी है।

एगबर्ट सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख . 13-1-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० 84/बीटी आई 1/77-78—यतः मुझे  
पी० एन० मलिक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव जैतो  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) में  
के अधीन 4-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत् में,  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हाकम सिंह पुत्र मल सिंह, बासी पत्ती कुदां जैतो  
(अन्तरक)
2. श्री मेजर सिंह, लछमन सिंह, सुरजीत सिंह पुत्रान  
नरैन सिंह बासी पत्ती कुदो जैतो।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाह  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

44विधा 5 बिसवा जमीन जैतो गांव में जैसा कि रजिस्ट्री  
नं० 573 जून 1977 सब-रजिस्ट्रार जैतो में लिखा है।

पी० एन० मलिक,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-1-1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पूर्ण सिंह पुत्र कृपाल सिंह जैतो।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार पुत्र हरगोविन्द राय वगैरा जैतो मंडी।  
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज, भटिंडा

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति माली रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

भटिंडा, दिनांक 28 जनवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

निर्देश सं० ए०पी० 85/बी डी/77-78—यतः मुझे,  
पी० एन० मलिक

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो  
जैतो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जून 1977

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

## अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

8 बिघा 11 बिसवा जमीन जैतो में जैसा कि रजिस्ट्री नं०  
400 जून 1977 सब-रजिस्ट्रार जैतो में लिखा है।

पी० एन० मलिक,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज भटिंडा

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

तारीखः 28-1-1978

मोहरः

प्रकाश आई० टी० न० ए० 86-88-88-88

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 28 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० 86/बी टी आई/77-78—यत मुझे पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मानसा कलामे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री तिलक राम पुत्र श्री चन्दु राम वासी मानसा कला।  
(अन्तरक)

2 श्रीमती विद्या देवी पत्नी प्यारे लाल ।

(2) प्यारे लाल पुत्र बानन राम।

(3) बनारसी दास पुत्र विषना मल मानसा।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मजो व्यक्ति सम्पत्ति में रचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मानसा कला गांव में 72 कनाल 13 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री न० 2012 जून 1977 सब-रजिस्ट्रार मानसा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख 28-1-1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 28 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० 87/बीटी/77-78—यतः मुझे, पी० एन०  
मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,

और जिकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो  
जैतो में स्थित है) और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-466GI/77

1. श्री साधु सिंह पुत्र संता मिह बासी पत्नी कुदो जैतो।  
(अन्तरक)

2. श्री मुखदेव सिंह, जग्गा सिंह, सिकंदर सिंह पुत्रान  
नयन सिंह बासी जैतो।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची  
रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैतो में 21 बिघा 8 बिसवा जमीन जैसा कि रजिस्ट्री  
नं० 716 जुलाई सब रजिस्ट्रार जैतो में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 28-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 जनवरी 1978

निर्देश नं० एपी88/बीपी/77-78—यतः मुझ, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव महल (जीरा) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लाल सिंह पुत्र राम सिंह पुत्र जैमल सिंह गांव मारी तहसील जीरा।

(अन्तरक)

2. श्री सुदागर सिंह पुत्र मधर सिंह पुत्र जवाहर सिंह गांव महल तहसील जीरा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

महल गांव में 45 कनाल 10 सरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4199 अगस्त 1977 सब रजिस्ट्रार मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 28-1-78

मोहर;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज भटिडा

भटिडा, दिनांक 2 फरवरी 1978

निर्देश सं० एपी 89/बी पी /77-78—यतः मुद्रा, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख मई 1978 .

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री हरचरण सिंह एडवोकेट पुत्र निर्मल सिंह अतर सिंह फिरोजपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा रानी पत्नी कृष्ण लाल पुत्र जगन नाथ सामने सट्टे बैंक आफ पटियाला, माल रोड फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14 मरले का एक प्लॉट माल रोड फिरोजपुर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 408 तारीख 19-5-77 सब रजिस्ट्रार फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिडा

तारीख : 2-2-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 फरवरी 1978.

निर्देश सं० एपी 90/बी पी/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरचरण सिंह एडवोकेट पुत्र श्री निर्मल सिंह पुत्र अतर सिंह वासी फिरोजपुर।

(अन्तरक)

2 श्री कृष्ण लाल पुत्र जगन नाथ पुत्र चानन राम वासी माल रोड, सामने स्टेट बैंक आफ पटियाला फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14 मरले का एक प्लॉट माल रोड फिरोजपुर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1427 जून 1977 सब रजिस्ट्रार फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भटिंडा

तारीख : 2-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 फरवरी 1978

निर्देश सं० एपी 91/बी पी/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरबंस सिंह पुत्र त्रिलोक सिंह पुत्र आसा सिंह वासी सुखेरा वस्ती अबोहर।

(अन्तरक)

2. श्री प्यारा सिंह कुंदन सिंह दारा सिंह पुत्रान लाभ सिंह पुत्र मुरक सिंह वासी सुखेरा वस्ती अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

35 कनाल 13 मरले जमीन अबोहर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 520 जून 1977 सब-रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख : 2-2-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 2 फरवरी 1978

निर्देश सं० एपी 92/बीपी०/77-78—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा की अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. श्री बुड सिंह उर्फ बुटा सिंह पुत्र त्रिलोक सिंह पुत्र आसा सिंह वासी अबोहर।  
(अन्तरक)

2. श्री प्यारा सिंह कुन्दन सिंह, दारा सिंह, पुतान लाभ सिंह पुत्र मुखा सिंह वासी मुखेरा वस्ती अबोहर।  
(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पत्ति में रचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर में 52 कनाल जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 546 जून 1977 सब रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 2-2-78  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए०सी/एक्यू०/1/एसआर-III/41/मई-11 (3)/77-78—यत्, मुझे, जे० एस० गिल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 2641/178/3/2 है तथा जो बिजवासन, तहसील महरोली, (दिल्ली राज्य) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती हरबन्स कौर, पत्नी श्री बलबीर सिंह, सुपुत्री श्री च० किशन चन्द, निवासी 29/21, शक्ती नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री रामेश चन्द्र, विपिन खन्ना तथा विनोद खन्ना, सुपुत्र श्री तुलसी दाम खन्ना, निवासी 5/20-सी, रूप नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—उममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कृषि भूमि जिसका पुराना खसरा नं० 2641/178/3/2 (नया खसरा नं० 188/3) है, जिसमें ट्यूबवैल तथा चैनलस और बाउण्ड्री वाल भी है, बिजवासन गांव, महरोली, तहसील, नई दिल्ली में है।

जे० एस० गिल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1 एस आर-III/मई 11 (14)/45/77-78—यतः, मुझे, जे० एस० गिल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आई०-1/102 है तथा जो लाजपत नगर-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती जनक कुमारी, विधवा पत्नी श्री ओम प्रकाश तथा श्रीमती अनिता कुमारी, पत्नी श्री कुलदीप कुमार, निवासी आई०-1/101, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री आर० सी० नांगिया सुपुत्र स्वर्गीय श्री जी० आर० नांगिया, निवासी 4/17-ए, जंगपुरा-बी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका नं० आई०-1/102 है और क्षेत्रफल, 100 वर्ग गज है, लीजहोल्ड अधिकारों सहित लाजपत नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : आई०-1/100, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

पश्चिम : आई०-1/101।

उत्तर : सड़क तथा पार्क।

दक्षिण : लेन।

जे० एस० गिल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-1-1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/  
51 मई-11/77-78—यतः मुझे, जे० एस० गिल,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० ए-59 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 24-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री पुरशोत्तम देव, सुपुत्र श्री हरभजन लाल निवासी  
123, अवतार सिंह रोड, आगरा कैंट. (यू० पी०)।

(अन्तरक)

2. श्री विंग कमान्डर ए० एन० जुतपी, सुपुत्र श्री पी० एन०  
जुतपी, निवासी ए-59, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि प्लॉट नं० ए-59 पर 217  
वर्ग गज (करीब 181.44 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल पर बना  
हुआ है, जिसमें एक ड्राईंग रूम, दो बेड रूम, एक रसोई,  
एक बाथ रूम, एक लैवाटरी, बरादाह है तथा बिलजी पान  
और अन्य फिटिंग्स भी है, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में निम्न  
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन।

पश्चिम : रोड।

उत्तर : मकान नं० ए-60।

दक्षिण : मकान नं० ए-58।

जे० एस० गिल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-1-1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1978

निर्देश जलसं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर०-III/58,  
 मई-11/77-78—अतः, मुझे, जे० एस० गिल,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु० से अधिक है  
 और जिसकी सं० ई-55 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली  
 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 तारीख 31-5-1977  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
 का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
 सारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री खरैअती लाल सूरी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री राजा राम  
 सूरी, निवासी 13/83, पंजाबी बाग, दिल्ली-26।  
 (अन्तरक)

2. श्री अवतार कृष्ण पुरी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री रूप चन्द  
 पुरी, द्वारा ए-106, दया नन्द कालौनी, लाजपत नगर-4,  
 नई दिल्ली।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
 किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
 है।

#### अनुसूची

मकान नं० ई०-55, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, काल-  
 काजी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : जायदाद नं० ई०-57।

पश्चिम : जायदाद नं० ई०-53।

उत्तर : रोड़।

दक्षिण : सधिस लेन।

जे० एस० गिल,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28-1-1978

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, तारीख 4 फरवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 11/1298/77-78/  
5520—अतः मुझे एन० एस० चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी संख्या 20 है तथा जो राजपुर रोड़, दिल्ली में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अरुण कृष्ण पाहवा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री अमृत लाल  
पाहवा, निवासी 20, राजपुर रोड़ दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उमिल बजाज, पत्नी श्री सुरिन्द कुमार बजाज,  
निवासी 20 राजपुर रोड़, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 191.4 वर्ग गज क्षेत्रफल के  
प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 20, राजपुर रोड़ दिल्ली में निम्न  
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : श्री० अरुण कृष्ण पाहवा की जायदाद का शेष भाग

पश्चिम : सरकारी जायदाद

उत्तर : श्री राम कृष्ण पाहवा तथा द्रौपक कृष्ण पाहवा की  
जायदाद

दक्षिण : अन्य की जायदाद तथा साझा रास्ता

(एन० एस० चौपड़ा)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्रीमती कुमारी इन्दिराम्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम बोजिवन 15

एरणाकुलम, दिनांक 5 जनवरी 1978

निर्देश सं० एल० सी० 0171/77-78—यतः मुझे, सी० पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कानन्नूर मुनिसिपालिटी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानन्नूर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) थक्कनराई (2) मेसर्स ज्योती टी० जोशी (3) प्रकाश चन्दा (4) मेसर्स सुरभी पी० जोशी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

33 cents of land with buildings in Sy. No. 332 & 333 (R. Sy. Nos. 431 & 432) of Cannannore Municipality.

सी० पी० ए० वासुदेवन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 5 जनवरी 1978

मोहर

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

ब्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 1 फरवरी 1978

यतः मुझे सी० पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार हैं, जो वरकला विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, वरकला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-6-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुलोचना, लनाभवन चेम्मरुती

(अन्तरक)

2. श्री सत्यदेवन के० पी० एस० निवास पुरलानिकोड  
वरकला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

29 cents of land in Sy. No. 2620/1 of Varkala Village.

(सी० पी० ए० वासुदेवन)

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 1-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

म० नं० 545—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 603 है, जो भीमवरम में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, भीमवरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्त-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. (1) श्री जि० गोपाला विठल, (2) श्री नागवेंकट्या  
भीमवरम। (अन्तरक)

2. श्रीमती के० एकमिनी देवी भीमवरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीमवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-77 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1507/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 5-1-1978

मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 24th January 1978

No. F.6/15/78-SCA(I).—In continuation of this Registry's Notification No. F.6/15/78-SCA(I) dated 5 January, 1978, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to continue Shri H. D. Gulrajani to Officiate as Deputy Registrar upto 31st January, 1978 *vice* Shri R. Subba Rao, granted leave, until further orders.

M. P. SAXENA  
Registrar (ADMN.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 11th January 1978

No. A.12019/4/77-Admn.II.—Shri Chand Kiran, a permanent Research Assistant (Hindi) of this office is hereby appointed to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for a period of 33 days w.e.f. 12-12-1977, or until further orders, whichever is earlier, *vice* Smt. Sudha Bhargava, Junior Research Officer (Hindi) (*ad hoc*) granted leave.

The 17th January 1978

No. A.12019/1/75-Admn.II.—In partial modification of this office Notification of even number 27th December, 1977 the following persons stand reverted to the posts mentioned against their names w.e.f. 31-12-77(AN).

Name and Post to which reverted.

1. Shri B. R. Gupta, Section Officer (DP) *ad hoc*
2. Smt D. J. Lalwani, Asstt. Supdt (Holl).

No. A.12025/1/77-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Bharat Singh, a substantive Statistical Assistant of the Indian Agricultural Research Statistics, to the temporary post of Programmer in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of the 13th January 1978, until further orders.

No. A.32013/2/77-Admn.I(i).—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General, A.I.R. and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 16-1-1978 to 28-2-1978 or until further orders, whichever is earlier, *vide* proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended up to date.

No. A.32013/2/77-Admn.I(ii).—Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Dr. R. Bhaskaran, lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 16-1-1978 to 28-2-1978 or until further orders whichever is earlier, *vide* proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended up to date.

No. A.35017/1/77-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification No. A.35017/1/73-Admn.II dated 28th February, 1977 Shri N. Viswanathan, Accounts Officer of the office of the Accountant General Kerala, is appointed to officiate, on deputation basis, as Accounts Officer in the office of the Union Public Service Commission for a further period of one year w.e.f. 14-1-78 (AN) or until further orders, whichever is earlier, Shri Viswanathan will not, however, be allowed any deputation (duty) allowances for the extended period of deputation.

This issues with the concurrence of the Ministry of Finance  
(Department of Expenditure)

P. N. MUKHERJEE

Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 12th January 1978

No. A-32014/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Personal Assistants (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to offliate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and *ad hoc* basis for the period mentioned against each, or until further orders, whichever is earlier

S No., Name and Period

1. Shri S. P. Mehra, 2-1-1978 to 28-2-1978.
2. Shri O. P. Deora, 2-1-1978 to 20-2-1978.

The above mentioned officers should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade.

P. N. MUKHERJEE

Under Secy.

Incharge of Administration

Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL &amp; A. R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th January 1978

No. A-19019/1/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri E. N. Renison, IPS (Gujarat—1952) as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 12-1-78 until further orders.

The 25th January 1978

No. A-19014/2/77-Ad.V.—On the expiry of his leave, the services of Shri Bhudeb Pal, officiating Administrative Officer, Central Bureau of Investigation, have been placed at the disposal of Ministry of Home Affairs with effect from the forenoon of 2-1-1978.

The 31st January 1978

No. A-19021/9/75-Ad.V.—Shri D. N. Sahay, IPS (Bihar) relinquished charge of the Office of Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, S.P.E., Patna on the afternoon of 17-6-77. His services were placed back at the disposal of the State Government

A. K. HUI

Administrative Officer (E)

C. B. I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 25th January 1978

No. O.II-1330/76-Estt.—Consequent on his repatriation to Delhi Administration, Shri A. N. Saigal, relinquished charge of the post of Dy. S. P. (Coy. Comdr), ISA, CRPF, on the afternoon of 31-12-1977.

No. O.II-1079/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. N. Nagaraj Rao as GDO; Grade-II (Dy. S. P./Coy Comdr) in the CRPF in a temporary capacity with

effect from the forenoon of 6th January 1978 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 24th January 1978

No. E-16013(1)/4/75-Pers.—On transfer to CRPF, New Delhi Shri K. Dadaboy IPS (Guj-1957), relinquished the charge of the post of Dy. Inspector-General, CISF, Rourkela Steel Plant, Rourkela, with effect from the afternoon of 3rd Jan., 1978.

No. E-16013(1)/1/77-Pers.—On transfer on deputation Shri Profulla Chunder Ratho IPS (Orissa-56) assumed the charge of the post of Dy. Inspector-General, CISF, Rourkela Steel Plant, Rourkela with effect from the forenoon of 11th January, 1978.

The 28th January 1978

No. E-16018/1/74-Pers.—On repatriation to his parent office Shri B. N. Bhardwaj relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Trg Reserve New Delhi with effect from the afternoon of 24th January 1978.

L. S. BISHT  
Inspector General/CISF

MINISTRY OF FINANCE

STUDY GROUP ON WAGES, INCOMES & PRICES

New Delhi, the 6th January 1978

No. F.WIP/13/GA/77.—On transfer from the Ministry of Finance (Defence), Shri S. P. Verma, Grade. 1 Officer of the CSS, Assistant Financial Adviser, has been appointed on deputation as Under Secretary in the Study Group on Wages, Incomes & Prices with effect from the forenoon of 8th December, 1977, until further orders.

G. C. KATOCH  
Member—Secy.

New Delhi, the 4th January 1978

No. F.WIP/13/GA/77.—On transfer from the Office of the Controller of Defence Accounts, Shri V. S. Jafa, an officer of Indian Defence Accounts Service, has been appointed as Director (Research) to the Study Group on Wages, Incomes & Prices with effect from the forenoon of 1st November, 1977, until further orders.

No. F.WIP/22/GA/77.—On their transfer from Ministry of Labour Sarvashri M. V. Balasundra and P. K. Sen, Senior Investigators have been appointed as Research Officers in the Study Group on Wages, Incomes & Prices w.e.f. the forenoon of the 3rd November, 1977, until further orders.

S. P. VERMA  
Under Secy.

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I,

Calcutta-I, the 27th January 1978

No. Admn.I/1038-XV/3548.—The Accountant General I, West Bengal has been pleased to appoint Shri Probhas Chandra Ghosh, a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity with effect from 19-1-78 F.N. or from the date and hour on which he actually takes over charge as Accounts Officer whichever is later.

On being released from this end Shri Ghosh should report to the Sr. D.A.G.(A), Central, office of the A. G. Central,

Calcutta for taking over charge as Accounts Officer against an existing vacancy in that office.

P. K. BANDYOPADHYAY  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)  
West Bengal

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR POSTS AND  
TELEGRAPHS

Delhi-110054, the January 1978

O.O. No. Admn. V/786 23(A)(2) Notifications.—Shri M. S. Pradhan, a permanent Audit Officer in the Posts and Telegraphs Branch Audit Office, Nagpur has retired from service with effect from 30-9-1977 (A.N.) on superannuation.

O.O. No. Admn. V/788 23(A)(2) Notifications.—The Chief Auditor, Posts and Telegraphs has been pleased to order that Shri V. P. Sharma, who was promoted to Audit Officers' cadre w.e.f. 24-8-1976 on his reversion from deputation out of India with the Government of Bhutan, should be deemed to have been promoted to the then cadre of Accounts Officer (now Audit Officers) with effect from 24-12-1975 and his pay regulated notionally under the provisions of F. R. 113 read with Government of India orders No. 10 & 14 below F. R. 30 with effect from the date of deemed promotion. No arrears of pay and allowances on account of such fixation will be payable prior to 24-8-1976.

The promotion is on ad hoc basis and is subject to revision.

O.O. No. Admn. V/790 23(A)(2) Notifications.—The Chief Auditor, Posts and Telegraphs has been pleased to order that Shri T. K. Dutta, who was promoted to Audit Officers' cadre w.e.f. 1-10-1977 on his reversion from deputation out of India in the India Audit Office, Washington should be deemed to have been promoted to the then cadre of Accounts Officer (now Audit Officer) with effect from 28-11-1975 and his pay regulated notionally under the provisions of F. R. 113 read with Government of India orders No. 10 & 14 below F. R. 30 with effect from the date of deemed promotion. No arrears of pay and allowances on account of such fixation will be payable prior to 1-10-1977.

The promotion is on ad hoc basis and is subject to revision.

L. C. PATNI  
Deputy Chief Auditor (HQRS)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 23rd January 1978

No. 29015 (1)/76-AN-II—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Time Scale of the said Service (Rs. 1100-50-1600) with effect from the dates shown against them until further orders.

Sl. No.	Name of the Officer	Date from which appointed
1.	Shri Sanjaya Bahel	7-7-77 FN
2.	Shri Debobroto Lahiri	13-11-77 FN
3.	Shri Satish Kumar Sharma	20-12-77 FN
4.	Shri K. Shankar	5-11-77 FN
5.	Shrimati Nita Marbaniang	23-7-77 FN



The 24th January 1978

No. 3261/AN-II—On attaining the age of 58 years, Shri G. C. Katoch, an officer of the Indian Defence Accounts Service (On deputation as Final Adviser, Defence Services and Additional Secretary in the Ministry of Finance, Department of Expenditure (Defence Division), New Delhi), was transferred to the Pension Establishment with effect from 30-11-1977 (AN).

will be transferred to Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31-7-78 (AN).

No. 18340/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri M. N. Menon, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 30-9-78 (AN).

The 28th January 1978

No. 18285/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri D. R. Malhotra, Assistant Controller of Defence Accounts

V. S. BHIR

Additional Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 26th December 1977

No. 3/77/A/M—The DGOF is pleased to appoint the following officers in the post of Asstt. Surgeon Gr. I/Junior Medical Officer w.e.f. the date indicated against each on *ad-hoc* basis until further orders :—

Sl. No.	Name	Posted at	Date
1	2	3	4
1.	Dr. S. M. Dhok	Ordnance Factory, Bhandara	16-1-74
2.	Dr. C. D. Deshmukh	Ordnance Factory, Chanda	16-1-74
3.	Dr. B. B. Sharma	Ordnance Factory, Bhusawal	3-3-75
4.	Dr. R. S. Kulkarni	Ordnance Factory, Khamaria	1-6-75
5.	Dr. Umesh Chandra Dash	Gun & Shell Fy. Cossipore	2-6-75
6.	Dr. B. K. Chakraborty	Ordnance Factory, Khamaria	4-6-75
7.	Dr. M. K. Chhotray	Gun & Shell Fy. Cossipore	2-7-75
8.	Dr. Debinder Kumar	Vehicle Factory, Jabalpur	23-7-75
9.	Dr. Arun Kumar Mishra	Vehicle Factory, Jabalpur	30-7-75
10.	Dr. (Mrs.) Sujata Chakraborty	Ordnance Factory, Khamaria	5-8-75
11.	Dr. (Mrs.) Ranjana S. Dhok	Ordnance Factory, Bhandara	1-9-75
12.	Dr. (Miss) Saroj Bhatia	Ordnance Factory, Varangaon	9-9-75
13.	Dr. (Mrs.) Renu Nerula	Clothing Factory, Shahjahanpur	4-10-75
14.	Dr. D.K. Sinha	Clothing Factory, Shahjahanpur	22-10-75
15.	Dr. B. S. Shastri	Ordnance Factory, Varangaon	1-11-75
16.	Dr. Shyamal Ghosh	Gun & Shell Fy. Cossipore	6-12-75
17.	Dr. R. B. Kaushal	Ammunition Factory, Kirkee	8-12-75
18.	Dr. (Mrs.) Sevikha Basu	Ordnance Factory, Kanpur	29-12-75
19.	Dr. (Mrs.) R. Gowri	Cordite Factory, Aruvankadu	5-1-76
20.	Dr. Pradeep Rattan	Gun & Shell Fy. Cossipore	22-1-76
21.	Dr. Srinibas Mahapatra	Rifle Factory, Ishapore	6-2-76
22.	Dr. Vijay Saxena	Ammunition Factory, Kirkee	9-2-76
23.	Dr. (Mrs.) Asha Sharma	Ordnance Factory, Varangaon	24-2-76
24.	Dr. Subrata Chakraborty	Rifle Factory, Ishapore	24-3-76
25.	Dr. T. S. Chadha	Gun Carriage Fy., Jabalpur	3-5-76
26.	Dr. R. K. Malhotra	Ordnance Factory, Muradnagar	15-5-76
27.	Dr. A. N. Bera	Gun & Shell Fy., Cossipore	26-5-76
28.	Dr. (Ku.) K. K. Banga	Ordnance Cable Fy., Chandigarh,	29-5-76
29.	Dr. R. M. Somakumar	Ordnance Factory, Bhandara	16-6-76
30.	Dr. A. K. Behre	Gun & Shell Fy., Cossipore	17-6-76
31.	Dr. (Km.) Pushyamitra Verma	Ordnance Equipment Factory, Kanpur	18-6-76
32.	Dr. G. Krishna Rao	Clothing Factory, Avadi	25-6-76
33.	Dr. D. N. Diwan	Ordnance Equipment Factory, Kanpur	5-7-76
34.	Dr. Basant Kr. Jain	Small Arms Factory, Kanpur	15-7-76
35.	Dr. G. Krishnamurthy	Gun & Shell Fy., Cossipore	26-7-76
36.	Dr. Ashok Kr. Verma	Ordnance Factory, Varangaon	29-7-76
37.	Dr. Priyaranjan Bhalla	Ammunition Factory, Kirkee	30-9-77
38.	Dr. S. C. Panigrahi	Ordnance Factory, Varangaon	4-10-76
39.	Dr. Santimoy Mandal	Ordnance Factory, Varangaon	9-11-76
40.	Dr. (Miss) K. Heera	Ordnance Factory, Tiruchirapalli	7-2-77
41.	Dr. Mukesh Pradhan	Ordnance Factory, Muradnagar	26-2-77
42.	Dr. (Mrs.) Neelam Gupta	Grey Iron Factory, Jabalpur	3-3-77
43.	Dr. R. S. Goyal	Ordnance Factory, Kanpur	8-3-77
44.	Dr. (Mrs.) Veena Goyal	Ordnance Factory, Kanpur	8-3-77
45.	Dr. A. K. Khullai	Clothing Factory, Shahjahanpur	12-3-77
46.	Dr. (Km) Lalita Khulbe	Ordnance Factory, Khamaria	11-4-77
47.	Dr. Rakesh Bali	Ordnance Factory, Katni	17-4-77

1	2	3	4
48.	Dr. N. R. G. Pillai	Ordnance Factory, Ambajhari	9-5-77
49.	Dr. O. P. Sharma	Ammunition Factory, Kirkee	16-5-77
50.	Dr. S. K. Argal	Ordnance Factory, Kanpur	18-5-77
51.	Dr. A. K. Lele	Ordnance Factory, Khamaria	19-5-77
52.	Dr. S. K. Verma	Ordnance Factory, Amarnath	23-5-77
53.	Dr. B. K. Shukla	Ordnance Factory, Muradnagar	30-5-77
54.	Dr. O. P. Gupta	Ordnance Equipment Factory, Kanpur	30-5-77
55.	Dr. B. B. Sethi	Ordnance Factory, Khamaria	31-5-77
56.	Dr. Biplab Kumar Sanyal	Gun & Shell Factory, Cossipore	20-6-77
57.	Dr. Amal Kanti Hore	Metal & Steel Fy. Ishapore	20-6-77
58.	Dr. V. K. Agnihotri	Metal & Steel Fy. Ishapore	20-6-77
59.	Dr. (Mrs.) Kamini	Clothing Factory, Shahjahanpur	4-7-77

No. 4/77/A/M—The D. G. O. F. is pleased to accept resignation of the following Temporary Asstt. Surgeons Gr. I/JMO w.e.f. the dates shown against each

Sl. No.	Name	Factory	Date
1.	Dr. Ashok Puri	Clothing Factory, Shahjahanpur	20-1-76
2.	Dr. Shyamal Ghosh	Gun & Shell Factory, Cossipore	6-2-76
3.	Dr. Pradeep Rattan	Gun & Shell Factory, Cossipore	29-4-76
4.	Dr. A. N. Bera	Gun & Shell Factory, Cossipore	14-6-77
5.	Dr. B. S. Shastri	Ordnance Factory, Varangaon	1-9-76
6.	Dr. D. K. Sinha	Clothing Factory, Shahjahanpur	5-11-76
7.	Dr. A. K. Behre	Gun & Shell Factory, Cossipore	26-12-76
8.	Dr. Santimoy Mondal	Ordnance Factory, Bhusawal	4-3-77
9.	Dr. A. K. Khullai	Clothing Factory, Shahjahanpur	27-3-77
10.	Dr. (Miss) Saroj Bhatia	Ammunition Factory, Kirkee	25-4-77
11.	Dr. M. K. Chhotrey	Gun & Shell Factory, Cossipore	13-6-77
12.	Dr. Srinibas Mahapatra	Rifle Factory, Ishapore	1-8-77
13.	Dr. O. P. Gupta	Ordnance Equipment Factory, Kanpur	8-8-77
14.	Dr. Priya Ranjan Bhalte	Ammunition Factory, Kirkee	13-8-77
15.	Dr. N.R.G. Pillai	Ordnance Factory, Ambajhari	1-9-77
16.	Dr. Umesh Chandra Dash	Gun & Shell Factory, Cossipore	1-10-77
17.	Dr. (Mrs) Kamini	Clothing Factory, Shahjahanpur	1-11-77

No. 5/77/A/M—The D. G. O. F. is pleased to terminate the services of the following Asstt. Surgeons Gr. I/JMOs w.e.f. the dates shown against each

Sl. No.	Name	Factory	Date
1.	Dr. R. M. Somakumar	Ordnance Factory, Bhandara	23-8-77
2.	Dr. B. K. Shukla	Ordnance Factory, Muradnagar	24-8-77
3.	Dr. Mukesh Pradhan	Ordnance Factory, Muradnagar	27-8-77
4.	Dr. (Mrs) Ranjana S. Dhok	Ordnance Factory, Bhandara	1-9-77
5.	Dr. A. K. Lele	Ammunition Factory, Kirkee	1-9-77
6.	Dr. B. B. Sethi	Ordnance Factory, Khamaria	1-9-77
7.	Dr. O. P. Sharma	Ammunition Factory, Kirkee	5-9-77
8.	Dr. Biplab K. Sanyal	Gun & Shell Factory, Cossipore	5-9-77
9.	Dr. (Km) Lalita Khulbe	Ordnance Factory, Khamaria	7-9-77
10.	Dr. G. Krishnamurthy	Gun & Shell Factory, Cossipore	12-9-77
11.	Dr. (Mrs) Neelam Gupta	Vehicle Factory, Jabalpur	14-9-77
12.	Dr. S. K. Argal	Ordnance Factory, Kanpur	15-9-77
13.	Dr. S. C. Panigrahi	Ordnance Factory, Varangaon	17-9-77
14.	Dr. Rakesh Bahl	Ordnance Factory, Katni	19-9-77
15.	Dr. Amal Kanti Hore	Metal & Steel Factory, Ishapore	22-9-77
16.	Dr. D. N. Diwan	Ordnance Equipment Factory, Kanpur	28-9-77
17.	Dr. Ashok Kr. Verma	Ordnance Factory, Varangaon	30-9-77
18.	Dr. S. M. Dhok	Ordnance Factory, Bhandara	15-10-77
19.	Dr. V. K. Agnihotri	Metal & Steel Factory, Ishapore	28-10-77
20.	Dr. G. Krishna Rao	Clothing Factory, Avadi	1-11-77

Bug. P. N. TRIKHA  
Director of Health Services,  
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 18th January 1978

No. 2/78/G.—On expiry of extension of service granted for two months beyond 58 years, Shri P. D. Pant, O.S.D. (in the grade officiating General Manager/SG-level-II) Pyrotechnic Project, Kirkee (Subst. General Manager, Gr. 1) retired from service with effect from 1-5-77 (F/N).

M. N. SHUKLA,  
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the January 1978

No. Adm 12(4)77—Shri Narendra Singh, a permanent Jr. Engineer of the Coal Mines Welfare Organisation is appointed as Asstt. Engineer on *ad hoc* basis w.e.f. 8-9-77 (F/N) and posted under the Executive Engineer, Welfare Works Division No. II, Asansol.

H. H. QURAISHY,  
Addl. Coal Mines Welfare Commission

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 28th January 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/1244/78-Admn.(G)/1061.—The President is pleased to appoint Shri N. Ramji, I.A.S., as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, with effect from the afternoon of the 9th January 1978.

K. V. SESHADRI,  
Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 18th January 1978

No. Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri K. K. Banerjee, a permanent Superintendent as Administrative Officer, Group 'B' Gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in an officiating capacity in this office w.e.f. 11-1-78 (F/N) *vice* Shri N. K. Roy promoted as Executive Officer. Shri Banerjee will be on probation for a period of two years with effect from 11-1-78.

N. K. ROY,  
Executive Officer

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER,  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 25th January 1978

No. 12/739/72-Admn.(G).—Consequent upon his deputation as Project Officer in the Rural Industries Project under the Andaman & Nicobar Administration, Shri S. L. N. Rao, relinquished the charge of the post of Assistant Director (Gr.I) (Chemicals) in the Branch Small Industries Service Institute, Imphal on the afternoon of 12-12-77.

No. A-19018/315/77-Admn.(G).—On the recommendation of the UPSC the President is pleased to appoint Shri Bimal Chandra Roy as Deputy Director (Electrical) in the

Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 29-12-77 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri Bimal Chandra Roy assumed charge of the post of Deputy Director (Electrical) in the Small Industries Service Institute, Patna w.e.f. the forenoon of 29-12-77.

CORRIGENDUM

The 27th January 1978

No. A-19018/231/75-Admn.(G).—The dt. 28-10-77 appearing in line 3 of paragraph 2 of Development Commissioner, Small Scale Industries Notification No. 19018/231/75-Admn.(G) dt. 22-12-77 shall be amended to read as 22-10-77.

The 1st February 1978

No. A-19018/303/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M. L. Meena as Assistant Director (Gr.I) (Chemical) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 2nd January, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment as Assistant Director (Gr.I) (Chemical) Shri M. L. Meena has assumed charge of the post in the Branch Small Industries Service Institute, Gangtok (Sikkim) w.e.f. the 2nd January, 1978 (F.N.).

V. VENKATRAYULU,  
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th January 1978

No. A-1/1(768)/II.—The President is pleased to appoint Shri D. C. Joshi, Assistant Director (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate, on *ad hoc* basis, as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of the 21st January, 1978 and until further orders.

The 31st January 1978

No. A-1/1(771)/II.—The President is pleased to appoint Shri S. M. Sharma, Assistant Director (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of the 21st January, 1978 and until further orders.

The 1st February 1978

No. A-1/1(1035).—The President is pleased to appoint Shri P. K. Majumdar, Section Officer of the CSS in the D.G.S.&D., New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Sales Tax) (Grade I) in the same Directorate General at New Delhi with effect from 21-1-78 (FN) and until further orders.

SURYA PRAKASH  
Deputy Director (Administration),  
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 25th December 1977

No. 40/59/C/19A.—Shri B. K. Chatterjee, Assistant Administrative Officer (*ad hoc*) Geological Survey of India is reverted to the post of Superintendent in the same department with effect from the forenoon of 14-11-1977.

The 27th January 1978

No. 600/B3/77/NLM/19A.—Shri Nrisinha Lal Mukherjee Senior Assistant Librarian, Geological Survey of India, is appointed as Librarian in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1st December, 1977, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY,  
Director General

## SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 28th January 1978

No. C-5340/707.—Shri M. Narasimhan, Surveyor Selection Grade is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 14th December, 1977 and posted to No. 17 Party (SC), Bangalore.

K. L. KHOSLA,  
Major General  
Surveyor General of India,

## NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 30th January 1978

No. F.15-3/77-A.1.—Shri Rajinder Prasad, Asstt. Chemist Grade I and Offg. Scientific Officer on *ad hoc* basis is appointed as Scientific Officer on regular temporary basis with effect from 25th January, 1978 until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE  
Director of Archives.

## DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the January 1978

No. 10/99/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. Thiagarajan to officiate as Assistant Engineer at HPT, All India Radio, Khampur with effect from 11-11-77.

The 19th January 1978

No. 10/94/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Ravi Anand to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Lucknow with effect from 13-12-1977.

The 21st January 1978

No. 10/82/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri V. K. Guptan, SEA on his repatriation to All India Radio from FTII, Poona to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Bombay w.e.f. 23-11-77.

The 28th January, 1978

No. 14/6/76-SIII (Vol. III)—The Director General, All India Radio appoints the following officers in a substantive capacity in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio with effect from the dates indicated against each—

S.No.	Name of the Officer	Present designation and place of postings	Date of confirmation
1	2	3	4
1.	Shri S. Panthasarthi	DARE, RE(S), AIR, Madras	20-5-72
2.	„ S. S. Bansal	DARE, RE(E), AIR Calcutta	1-11-74

1	2	3	4
3.	Shri P. K. Choudhary	On deputation to the Sultanate of Oman	1-11-74
4.	„ J. P. Khare	ASE, AIR, Bhopal	1-11-74
5.	„ S. K. Tewari	ASE, DDK, Delhi	1-11-74
6.	„ Mahesh Chandra	DAPO, P&D Unit DGAIR.	7-5-75
7.	„ S.N. Aiyar	ASE, CBS, Trivandrum	7-5-75
8.	„ V. K. Sharma	ASE, AIR, Lucknow	7-5-75
9.	„ Kailash Nath	AE, RE (N), Delhi	7-5-75
10.	„ N. N. Agarwal	ASE, AIR, Dibrugarh	7-5-75
11.	„ G.P. Srivastava	ASE, AIR Gorakhpur	7-5-75

2. The confirmation of all the officers mentioned above is subject to the condition that they will be liable to transfer at any time to serve a Public Corporation if formed and that on such a transfer they will be liable to the conditions of service laid down for the employees of that corporation.

No. 10/130/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. V. Seshagiri to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Aizawl with effect from 31-12-77.

A. K. BOSF,  
Deputy Director of Administration,  
for Director General

New Delhi, the 31st December 1977

No. 10/37/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. V. Daniel to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Bombay with effect from 9-11-77 (AN).

V. KRISHNAMURTI,  
Deputy Development Officer,  
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 25th January 1978

No. 6/64/56-Est.I.—On expiry of the leave granted to Shri M. A. Narvekar, Officiating In Between Animator, Shri M. V. Devidasan, Officiating In Between Animator reverted to the post of Layout Artist from the afternoon of the 9th December, 1977.

The 28th January 1978

No. 17/16/49-Est.I.—On attaining the age of superannuation, Shri R. C. Khanna, Permanent, Branch Manager, Films Division, Madras, retired from service from the afternoon of the 31st December, 1977.

M. CHANDRAN NAIR,  
Administrative Officer,  
for Chief Producer

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th January 1978

No. A.12025/9/76 Admn I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Asish Biswas to the

post of Dental Surgeon at the Central Government Health Scheme, Patna with effect from the forenoon of 29th August, 1977, in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KATHIALA,  
Dy. Director, Administration

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 25th January 1978

No. E(1)00915.—The Director General of Observatories hereby appoints Dr. Murari Lal as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the afternoon of 12th December, 1977 and until further orders.

Dr. Murari Lal is posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology), Pune.

No. E(1)00946.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. Ratnam as Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5th December, 1977, until further orders.

Shri Ratnam is posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology), Pune.

No. E(1)00950.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. P. Kulshrestha, as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from forenoon of 22nd November, 1977 and until further orders.

Shri Kulshrestha is posted to Meteorological Centre, Bhubaneswar under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)06612.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Santi Kumar Das as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 21st November, 1977 and until further orders.

Shri Das is posted to Cyclone Warning Radar Station, Parndep under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

G. R. GUPTA,  
Meteorologist,  
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 25th January 1978

No. A. 32013/10/76-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers working as Technical Officer on ad-hoc basis, as Technical Officer on regular basis in the Civil Aviation Department with effect from the 26-11-77 (FN) and until further orders at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting
1	2	3
1. Shri V. Alagiri		Controller of Communication, A.C.S., Madras.
2. Shri P.C. Banerjee		Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.
3. Shri L. P. Singh		A.C.S., Jaipur.
4. Shri N. Venkatapathy		Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.
5. Shri Mrinal Kanti Pal		Controller of Communication ACS, Calcutta.

1	2	3
6. Shri B.N. Godbole		Regional Office, Bombay.
7. Shri P. J. Iyer		A.C.S., Calcutta
8. Shri S. P. Jain		A.C.S. Palam.
9. Shri A.N. Srivastava		Director Radio Construction & Development Units, New Delhi.

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 13th January 1978

No. A.32013/8/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Goswami at present officiating as Deputy Director of Communication (IIQ) on *ad hoc* basis *vice* Shri S. M. Gupta granted leave at Regional Controller of Communication on *ad hoc* basis w.e.f. 9-12-77 (FN) for a period of nine months or till regular appointment to the grade are made whichever is earlier and to post him at Safdarjung Airport, New Delhi.

The 24th January 1978

No. A.38015/14/77-EC.—While proceeding on earned leave for 165 days w.e.f. the 11-5-77 to 22-10-77, combined with half pay leave for 70 days w.e.f. 23-10-77 to 31-12-77, as LPR, Shri P. M. Adiyodi, Assistant Technical Officer, ACS, Bombay relinquished charge of the post on the 11-5-77 (FN) and on expiry of leave retired from Government service on the 31-12-77 (AN) under the provisions of F.R. 56(k).

S. D. SHARMA,  
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 25th January 1978

No. A.38012/10/77-ES.—Shri S. B. Deokule, Controller of Aeronautical Inspection, Bombay relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th November, 1977 on attaining the age of superannuation.\*

S. L. KHANDPUR,  
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 21st January 1978

No. 1/427/78-EST.—The resignation from service of Shri Ashok Kumar Gulati, temporary Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay, has been accepted w.e.f. the afternoon of the 7th January, 1978.

The 27th January 1978

No. 1/446/78-EST.—Shri A. U. Ghosal, Technical Assistant, Dehra Dun Branch, has been appointed as Assistant Engineer in an officiating capacity, purely on *ad hoc* basis, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 2nd January, 1978, and until further orders.

P. G. DAMLE,  
Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 30th January 1978

No. 16/277/77-Ests.I.—The President Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Ramesh Chandra Thapliyal, Research Assistant Grade I at

Research Officer under the Vth Five Year Plan Scheme on (i) Seed Bank and (ii) Seed Improvement and Tree Breeding Centre, Hyderabad, at its regional centre, at the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the afternoon of 26th October 1977, until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR,  
KUL SACHIV,

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND  
CUSTOMS

Allahabad, the 23rd January 1978

No. 1/1978.—Shri B. K. P. Sinha, Officiating Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' posted at Central Excise Division, Bareilly has retired from Government Service in the afternoon of 31-7-77.

A. L. NANDA,  
Collector

Baroda, the 3rd December 1977

No. 3/77-C.E.—In exercise of the powers vested in me under Rule 232A of the Central Excise Rules, 1944, I am publishing in the table below the names, addresses and other particulars as specified under sub-rule (2) of Rule 232A of the following category of persons, viz.

- (a) person who have been convicted by a court under Section of the Act;
- (b) persons who have been found by an officer referred to in Section 33 of the Act to have contravened any of the provisions of the Act or rules made thereunder and on whom a penalty of ten thousand rupees or more has been imposed by such officer.

K. S. DILIPSINHJI,  
Collector of Central Excise  
Baroda

TABLE

Sr. No.	Name	Address	Provisions of Act or Rules contravened	Amount of penalty imposed	Value of excisable goods or other property forfeited by the Court to the adjudicating officer.	Amount of fine in lieu of confiscation	Particulars of licence revoked
1	2	3	4	5	6	7	8
PART -A							
1.	Shri Harmanbhai Motibhai Patel of Khandhali, Prop. of Bharat Tobacco Co. Khandhali	L. 5 No. 18 Village Khandhali, Tal-Anand, Dist. Kaira.	(For cases under (a) above) Contravention of Rules 141, 144 and 32(1) of Central Excise Rules, 1944, and clauses (Gujarat) (c) and (d) of Rule 151 and 32(2) of Central Excise Rules, 1944 in respect of tobacco i.e. illicit removal and receipt of tobacco and non-maintenance of proper accounts.	Fine Rs. 500/- in default three months simple imprisonment	—	—	—
PART B							
1.	M/s Bon Decors of Bombay and M/s Bon Decors Firm of Bombay	1st Ghorupdeo Cross lane, Bombay Saw Mills Compound, Bombay-33 DD.	(For cases under (b) above) Contravention of Rules 174, 173B, 173C, 173F, 173G, (1) (2) and (4) read with clause (a) (b) (c) and (d) of Rules 173Q, 52A in respect of manufacture of Steel furniture T. I. 40 of Central Excise Tariff and removal thereof without licence without payment of duty.	Rs. 50,000/- on M/s Bon Decor	1218, auditorium chairs valued at Rs 1,30,000	Fine of Rs. 30,000 in lieu of confiscation of 1218 chairs.	—
2.	M/s Priya Laxmi Mills of Baroda owned by Shree Keshariya Investment Ltd New Delhi.	Near Old Railway Station, Baroda, L. 4.No. BRD/I/1/73C.F.	Contravention of Rules 96B, 96C, 173F, and 9 read with rule 173Q. Sound cloth deliberately cut into fents and paid duty at fent rate.	Rs. 10,000/-	175 bales of C.I. valued at Rs. 4,41,421/-	Fine of Rs. 30,000/- in lieu of confiscation.	—
3.	M/s Natraj Dying & Printing Works, Surat.	Opp. Baroda Rayon Main gate, Udhna, Surat	Contravention of Rules 173B, 173C, 173F, 173G(1), 173G(2) 173G(4), 9 and 52A Sub	Rs. 20,000/-	31759.50 L. Mts, valued at Rs. 1,17,836.70Ps, Ambassador Car No. MRF 3543	Fine of Rs. 21,000/-	—

1	2	3	4	5	6	7
			clauses (a) (b) & (d) of Rules 173B, 173C, 173F, 173G, (1) (2) (4) read with sub rules (a) (b) and (d) of rule 173Q and Section 6 of the Central Excise and Salt Act, 1944 read with rule 173Q (c). Manufacture and clearance of steel furniture without licence and payment of duty.		valued at Rs. 10,000/-	Fine of Rs. 3,000/-
4.	M/s Bon Decors of Bombay and Bon Decor Firm of Bombay	I, Ghourupdeo Cross lane, Bombay Saw Mills Compound Bombay.	Contravention of Rules 173B, 173C, 173F, 173G, (1) (2) (4) read with sub rules (a) (b) and (d) of rule 173Q and Section 6 of the Central Excise and Salt Act, 1944 read with rule 173Q (c). Manufacture and clearance of steel furniture without licence and payment of duty.	Rs. 20,000/- Bon Decors Rs. 20,000/- Bon Decors Firm Both Bombay	1010 auditorium Chairs valued at Rs. 93,810/-	Fine of Rs. 25,000/- in lieu of confiscation of 1010 Chairs.

Quarter ending 31st December, 1977

No. St./3/1977-78. In exercise of the Powers conferred on me by Sub-Rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise (Seventh Amendment) Rules 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses, and other particulars specified in Sub. Rules (2) of the persons who have been convicted by a Court under Section 9 of the Central Excise and Salt Act 1944, and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed, by an Officer referred to in Section 33 of the Act, are as follows :

S.No.	Name of the person	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed.
1	2	3	4	5
			NIL	

## II--DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS

	Name of the person on whom a penalty of Rs. Ten thousand or more has been imposed by an Officer referred to in Section 33 of the Act.	Address.	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened	Amount of penalty imposed	Value of Excisable goods adjudged by an Officer under Section 33 to be confiscated	Amount of fine in lieu of confiscation under Section 34 of the Act
1	2	3	4	5	6	7
1	M/S Kashmiron Processing Industries, Dist. Thana	R R Industrial Estate, Kashmira, Dist Thana	Rules 173F, 173G (1) read with 9(1) 173G(2) read with a Rule 52-A, Rule 173G(4) read with Rules 53 and 226 of Central Excise Rules, 1944	Rs. 25,000/- under Rule 9(2), 52-A(5) 173 Q and 226 of Central Excise Rules, 1944.	Rs. 716723.00	Rs. 50,000/-

F. R. SRIKANTIA  
Collector of Central Excise, Bombay

Patna, the 5th January 1978

C. No. II(7)1-Et/77/875.—Col. Satish Chandra (I.C.-4040) appointed on re-employed basis as Dy Director (Comms) in the Directorate of Communications Department of Revenue vide Ministry's Order No. 122/77 dated 4.8.77 in the scale of Rs. 1500-60-1800 plus special pay of Rs. 200/- p.m. has assumed charge as Dy Director (Comms), Customs in the Collectorate of Customs (Prev.), Patna on 29.9.77 (F.N.) at New Delhi as per Ministry's order No. 8/77 dated 5.8.77

and subsequently he has reported for duty on 4.10.77 at Patna.

The 11th January 1978

C. No. II(7)1-Et/77/602.—In pursuance of Govt. of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi's order No. 171/77 dated the 9-11-77, Sri D. Chakravarty, Dy. Collector, Bombay Customs House assumed charge as Dy. Collector, Customs, Muzaffarpur in the afternoon on 23.12.77.

C. No. II(7)I-F/11/603. In pursuance of Ministry's order No. 171/77 dated 9.11.77, Sri S. K. Choudhary, Assistant Collector, Central Excise & Customs, Collectorate, Calcutta assumed charge on promotion as Dy. Collector of Central Excise & Customs, Patna in the forenoon on 12.12.77.

H. N. SAHU  
Collector  
Central Excise, Patna.

Shillong, the 23rd January 1978

#### ORDER

No. 1/78—Shri Amiya Mukul Dey, an officiating office Superintendent, Customs and Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative officer, Group 'B' Customs and Central Excise until further orders. Shri Dey resumed charge as Administrative Officer, Customs and Central Excise, Agartala on 5-7-76 (F.N.).

No. 2/78.—Shri M. S. Bhattachajee, an office Superintendent, Customs and Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative officer, Group 'B' Customs and Central Excise, until further orders. Shri Bhattachajee, assumed charge as Administrative officer, Customs and Central Excise, Dhubri on 10.2.77 (A.N.).

No. 3/78—Smt. Swiltigiri Syiem, an officiating office Superintendent, Customs and Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Examiner of Accounts, Group 'B' Customs and Central Excise, until further orders. Smt. Syiem, assumed charge as Examiner of Accounts, Customs and Central Excise Collectorate Hqrs. office, Shillong on 16.5.77 (A.N.).

No. 4/78—Shri Samarendra Roy, an office Superintendent, Customs and Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as administrative officer, Group 'B' Customs and Central Excise, until further orders. Shri Roy, assumed charge of Administrative officer, Customs and Central Excise, Dibrugarh on 8.8.77 (F.N.).

No. 5/78—Shri Benoy Bhusan Sengupta, an office Superintendent, Customs and Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative officer, Group 'B' Customs and Central Excise until further orders. Shri Sengupta assumed charge as Administrative officer Customs and Central Excise, Silchar on 28.11.77 (F.N.).

K. S. SAHA  
Collector

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 23rd January 1978

No. A-19012/674/77-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Abdul Saleem, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from afternoon of 20th December, 1977 until further orders.

Shri Abdul Saleem assumed the charge of the post of Extra Assistant Director in the Commission with effect from the 20th December, 1977 (A.N.).

The 24th January 1978

No. A-19012/675/77-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri P. B. Das, Senior Research Assistant to the grade of Assistant Research Officer (Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from 16-12-1977 forenoon upto 2-8-1978, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19012/677/78-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri I. G. Padale, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 16th December, 1977, until further orders.

2. Shri Padale will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Physics), Central Water and Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from 16-12-1977.

No. A-19012/678/78-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion, Shri S. K. Dev, Senior Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune-411024, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 2nd January, 1978 until further orders.

2. Shri Dev will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Physics), Central Water and Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from 2.1.1978.

No. A-19012/679/78-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion, Shri G. M. Kotwar, Senior Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune-411024, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-EB-40-1200, on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 2nd January, 1978, until further orders.

2. Shri Kotwar will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Physics), Central Water and Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from 2-1-1978.

The 27th January 1978

No. A-19012/665/77-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri K. C. Idiculla to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from 10.10.77 (FN) until further orders.

Shri K. C. Idiculla assumed charge of the post of Assistant Engineer in the Central Flood Forecasting sub-Division, Tenukhat P.O. Maithon under Superintending Engineer D.V.R.R. and FF Circle, Maithon.

J. K. SAHA  
Under Secretary  
Central Water Commission

#### CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 13th December 1977

No. 23/2/77-EC II.—Shri C. S. Karnavy, Executive Engineer of this Department working as Valuation Officer in Income-Tax Department, Baroda, on attaining the age of superannuation (58 years) has retired from Government service with effect from 30.11.1977 A.N.

S. S. P. PAU  
Deputy Director of Administration  
for Engineer-in-Chief

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY New Delhi-110022, the 28th December 1977

No. 6/3/77-Adm II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri M. S. Lahori, Supervisor to



the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 18.10.1977 until further orders.

S. BISWAS  
Under Secy.

### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 16th January 1978

No. 23.—The resignation tendered by Shri Y. Raja Rao, Asstt. Security Officer/Asstt. Commandant (Trainee) from Railway service has been accepted w.e.f. 12-8-1977.

G. H. KESWANI  
General Manager

### MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY)

#### NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 25th January 1978

No. G-318/A —The undersigned hereby appoints Shri P. K. Chakraborty as Assistant Director (Admn.) Grade II in the National Test House, Bombay Branch, Bombay on an *ad hoc* basis with effect from 7-12-77 (F/N), until further orders.

B. C. BISWAS  
Jt. Director  
National Test House, Calcutta.

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

#### (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

#### COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956 in the matter of M/s. Highway Automobiles Pvt. Ltd.*

Delhi, the 23rd January 1978

No. Co. Lign./3134/1605.—By an order dated the 17-3-72 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Highway Automobiles Private Limited has been ordered to be wound up.

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956 in the matter of M/s. Speedway Finance and Chit Fund Pvt. Ltd.*

Delhi, the 25th January 1978

No. Co. Lign.3863/1801.—By an order dated the 26-4-1976 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Speedway Finance and Chit Fund Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA  
Asstt. Registrar of Companies  
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ashok Printers Private Limited, A-5, Kantinagar Colony, Jaipur*

Jaipur, the 23rd January 1978

No. STAT/1153/571.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ashok Printers Private Limited, Jaipur, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

12—466GI/77

*In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. M. K. Finance and Trading Company Private Limited, Jaipur.*

Jaipur, the 23rd January 1978

No. STAT/1211/579.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. M. K. Finance and Trading Company Private Limited, Jaipur, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREEL  
Registrar of Companies  
Rajasthan, Jaipur.

*Re : Notice Under Section 560(4) of Companies Act, 1956 in the matter of M/s. P. Das & Company Private Limited (in Lign.)*

Calcutta-1, the January 1978

No. L-1763/D-1827.—Whereas under section 560(4) of the Companies Act, 1956, I have reasonable cause to believe that the affairs of the Company are fully wound up and the returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six (6) consecutive months,

I, therefore, hereby notify that at the expiration of three (3) months from the date of this notice, the name of the Company will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the Company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies  
West Bengal.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sri K. Muthu and Company Private Limited*

Madras-6, the 25th January 1978

No. DN/3778/560(3)/77 —Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560(3) of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri K. Muthu and Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sri Devi Amma Transports Private Limited*

Madras-6, the 25th January 1978

No. DN/4012/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec (3) of Sec. 560(3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Devi Amma Transporters Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Shri Venugopal Chit Fund Private Limited*

Madras-6, the 25th January 1978

No. DN/5540/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560(3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Shri Venugopal Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Standard  
Hotels Limited.*

Jullundur, the 30th January 1978

No.G/Stat/560/3452/11786.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Standard Hotels Limited unless cause

is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
DELHI 1, NEW DELHI

ORDER

SUBJECT : Establishment—Gazetted—Promotions, Postings and Transfers.

New Delhi, the 10th January 1978

No. 100/GO.77/78.—Shri A. P. Jain, Inspector, is promoted to officiate as Income-tax Officer (Class II), in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the date he takes over as such and until further orders.

This promotion is being made against the clear vacancy but is subject to final orders of the Delhi High Court in C.M.P. No. 652 of 1977 in C.W.P. 341 of 1977 pending before the Court.

Consequent upon his promotion, Shri A. P. Jain is posted as Income-tax Officer—Officer on Special Duty-II, New Delhi, under I.A.C. (Hr. Qr.II), New Delhi, until further orders.

The 30th January 1978

ORDER

Subject:—Establishment—Gazetted—Promotions—Postings and Transfers.

No. 114/GO.77-78—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax officers (Class II) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the date they take over as such and until further orders :—

S/Shri

1. S. R. Gupta,
2. R. L. Dhir,
3. J. L. Marwah,
4. A.C. Sethi.

These promotions are being made against the clear vacancies but are subject to final orders of the Delhi High Court in C. M. P. No. 652 of 1977 in C. W. P. 341 of 1977 pending before the Court

Consequent upon these promotions, the following postings and transfers are ordered with immediate effect :—

Sl. No.	Name of the Officer	Presently posted as	Now posted as	Remarks
S/Shri				
1.	S.R. Gupta	On promotion.	Services placed at the disposal of C.I.T. III.	
2.	R. L. Dhir.	Do.	Services placed at the disposal of C.I.T. IV.	
3.	J. L. Marwah.	Do.	Services placed at the disposal of CIT-IV.	
4.	A.C. Sethi.	Do.	Services placed at the disposal of CIT-III	

K. N. BUTANI,  
Commissioner of Income-Tax,  
Delhi-I, New Delhi

Cochin-682016, the 19th December 1977

## INCOME-TAX

C. No. 2-Estt/Gaz/Con/77-78.—The undermentioned Inspectors of Income-tax are appointed to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the grade of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date they take over charge and until further orders :—

- (1) Sri P. S. Shahul Hameed,  
Inspector of Income-tax,  
I.T. Circle, Kottayam.
- (2) Sri K. S. Hameed,  
Inspector of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ernakulam.
- (3) Sri Jocky Meyn,  
Inspector of Income-tax,  
Office of the Commissioner of Income-tax,  
Ernakulam.
- (4) Sri P. J. Simon,  
Inspector of Income-tax,  
I.T. Office, Alwaye.

2. The above appointments are made on a purely temporary and provisional basis and are liable to termination at any time without notice. The appointments are subject to the result of Original Petitions No. 3755/76-L and No. 2499 of 1977-L before the High Court of Kerala.

C. No. I(209)/GL/77-78.—In exercise of the powers conferred on me under sub section (1) of section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner of Incometax, Kerala-I, Ernakulam hereby create a new ward in the Incometax Office, Quilon, known as "D" Ward, Quilon. The Incometax Officer posted to this ward will be known as Incometax Officer, D-Ward, Quilon.

2. This order shall come into force with effect from the forenoon of 20-12-77.

M. A. SUBRAMANYAM  
Commissioner of Incometax, Kerala-I,  
Ernakulam

Cochin-682016, the 19th December 1977

C. No. 1(209)/GL/77-78.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (1) of Section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner of Incometax, Kerala-II, Ernakulam hereby create a new ward in the Incometax Office, Kottayam as "E" Ward, Kottayam. The Incometax Officer posted to this ward will be known as Incometax Officer, E-Ward, Kottayam.

2. This order shall come into force with effect from the forenoon of 20-12-1977.

M. A. SUBRAMANYAM,  
Commissioner of Income-tax,  
Kerala-II

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
I.A.C., ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta-16, the 10th January 1978

Ref No. Ac-26/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77/1/1, situated at Biren Roy Road (West), Behala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar of Alipore, Behala on 13-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manik Lal Sen of 77/1/1, Biren Roy Road (West), Calcutta-61.

(Transferor)

(2) 1. Ardhendu Sekhar Dey. 2. Puskar Chandra Dey, 3. Madan Mohan Dey, Legal Representatives and Trustees to the Estate of Late Kunja Behari Dey of 2B, Nafar Chandra Das Road, Behala, Calcutta-34.

(Transferee)

(3) M/s. Madhusudan Bhandar of 77/1/1, Biren Roy Road, West Calcutta-61.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 6-cottahs with a double storeyed building thereon being premises No. 77/1/1, Biren Roy Road (West), Behala.

**L. K. BALASUBRAMANIAN,**  
**Competent Authority**

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Ruff Ahmed Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date : 10-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st January 1978

Ret No AP-1744/-.--Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at G. T. Road, Jullundur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ajmer Singh s/o Sh. Isher Singh & Sh. Harjit Singh s/o Sh. Ajmer Singh, Village & P.O. Aour, Teh. Jullundur.
- (2) Sh. Pritam Singh s/o Sh. Dogar Singh Village Moranwali, Teh. Jullundur.
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registration sale deed No. 1937 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Date 31-1-78.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Saidunnisa Begum, Sri Nawab Raza Hasan Khan &amp; Smt. Fakrunnisa Begum.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Fairdeal Investment (Pvt.) Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Lucknow, the 16th December 1977

Ref. No. GIR No. 3-F/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 62/8, Building No. 6, Station Road, Lucknow situated at Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 20-6-77

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building No. 6, (Municipal No. 62/8), Station Road, Lucknow measuring 4000 sq. ft.

And all that entered in Form 37G of No. 1930/77 dated 20-6-77 and in the sale deed registered at Sub Registrar Office, Lucknow.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

AMAR SINGH BISEN,  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 16-12-77.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Jan Priya Bose.

(Transferor)

(2) Shri Mahmood Ahmad &amp; others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th December 1977

Ref. No. GIR No. M-100/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29 & 31, Stanly Road, Allahabad on Nazul Plot No. 22-AA/1, Allahabad, situated at Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 2-6-77

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. 29 & 31, Stanly Road, Allahabad on Nazul Plot No. 22-AA/1 measuring 481.53 Sq. mtrs.

And all that which is entered in the sale deed & Form 37G No. 1485 dated 2-6-77 in the office of the Sub Registrar, Allahabad.

AMAR SINGH BISEN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 19-12-1977.

Seal :

## FORM ITNS

1. S/Shri Krishna Swaroop Agarwal S/o Bishan Swaroop Agarwal, R/o 314, Jhokan Bagh, Civil Lines, Jhansi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Smt. Pista Kumar W/o Ummedmal Jain R/o Through Bheem Financing Corporation Chugaon, Teh. Moth, Distt. Jhansi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1978

Ref. No. Acq/542/Jhansi/77-78/6805.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per Schedule) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jhansi on 2-6-197

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 314, Krishan Kutir, Civil Lines Jhansi. Transferred for an Apparent consideration of Rs. 45,000/-.

R. P. BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-1-1978

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th January 1978

Ref. No. Acq/777-A/Meerut/77-78/7404.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 22-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Shri Ram Niwas Sharma S/o Banokhe Lal, R/o Sarojni Nagar, Delhi and Anokhe Lal S/o Onkar Dutt and Avadh Narain S/o Raghbir Narain, Dalampara, Meerut.

(Transferor)

2. S/Shri Rajendra Singh S/o Dhara Singh, Sandeep Kumar (Minor) S/o Harbeer Singh, R/o Bamnauli, Teh. Sardhana, Distt. Meerut Chatar Singh S/o Ram Chandra Singh, Self and as Father and Guardian of Rajeev Kumar R/o Rajpur Kalan Teh. Jansath, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 1000 sq. yds. bearing No. 5214, situated in Mohanpuri, Distt. Meerut, Transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

R. P. BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 24-1-78.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/942-A/Mussorie/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Scheduled situated at Mota Singh Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussorie on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Shri Dina Nath S/o Late Laxman Dasji, Ram Prakash S/o Late Sri Gian Chandji, Tilak Raj Kher S/o Gian Chand, Vijai Kumar and Anil Kumar, S/o Bal Kishan Das Kher and Shriram Kher S/o Late L. Sitaramji C/o M/s. Gian Chand Dina Nath, Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

2. Smt. Ram Biri Devi W/o Surrinder Singh Malik R/o Doon View Cottage, North Side, Pancho Kanchi Kutir, Mussorie.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of the property known as Doon View Cottage North Side, Mussorie, Transferred for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

R. P. BHARGAVA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-1-78.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1978

Ref. No. CHD/30/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 27 kanal 2 marla in Village Maloya situated at U. T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Sarup S/o Shri Shambool Singh, Village Maloya, U. T. Chandigarh. Now c/o Shri Mehar Singh s/o Sh. Net Ram, Village Holi, P. O. Barana, Teh. & Distt. Ambala.

(Transferor)

(2) Shri Jagdev Singh s/o Shri Mohinder Singh, Vill. Lal Kalan, Teh. Samrala, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 kanal 2 marlas situated in Village Maloya, U. T. Chandigarh.

(Property as mentioned in the sale deed registered by the Registering Authority, Chandigarh at Sl. No. 130 of May, 1977).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 24-1-1978.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
SONEPAT ROAD, ROHTAK**

Rohtak, the 24th January 1978

Ref. No. KTL/5/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 portion of Cotton Ginning Factory, Jakola Adda, situated at Kaithal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kaithal in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) (i) S/Shri Ram Niwas, Jai Dev, Arjan Dass, Gobind Ram ss/o. Sh. Jaili Ram, (ii) Sh. Jaili Ram s/o Sh. Nathu Mal, Residents of Vill. Balerkha, Teh. Narwana, Distt. Jind.

(Transferor)

(2) (i) Sh. Babu Ram S/o Sh. Moman Ram, (ii) Sh. Ruldu Singh s/o Sh. Babu Ram, (iii) Sh. Jai Bhagwan s/o Sh. Jug Lal, (iv) Smt. Chameli Devi w/o Sh. Gauri Mal, (v) Smt. Ram Kala Devi w/o Sh. Ram Niwas, C/o M/s. Ram Bhaj Jai Bhagwan, Bankers and Commission Agents, New Mandi, Jakola Adda, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Cotton Ginning Factory previously known as Guru Dev Cotton and oil factory and now known as Ram Bhaj Jai Bhagwan Cotton Ginning Factory, Jakola Adda, Kaithal.

(Property as mentioned in the Sale Deed registered by the Registering Authority, Kaithal at Sl. No. 433 dated 25-5-1977).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 24-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1978

Ref. No. KTL/4/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 portion of Cotton Ginning Factory, Jakola Adda, situated at Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) (i) S/Shri Ram Niwas, Jai Dev, Arjan Dass, Gobind Ram s/o. Sh. Jaili Ram, (ii) Sh. Jaili Ram s/o Sh. Nathu Mal, Residents of Vill. Balerkha, Teh. Narwana, Distt. Jind.

(Transferor)

- (i) Shri Ram Niwas s/o Shri Tek Chand.
- (ii) Smt. Leelawati w/o Shri Om Parkash.
- (iii) Smt. Savitri Devi w/o Shri Ram Bhaj.
- (iv) Shri Lachhman Dass s/o Shri Tej Ram.
- (v) Shri Ved Parkash s/o Shri Lachhman Dass. C/o M/s. Ram Bhaj Jai Bhagwan, Bankers and Commission Agents, Jakola Adda, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Cotton Ginning Factory previously known as Guru Dev Cotton and oil factory and now known as Ram Bhaj Jai Bhagwan Cotton Ginning Factory, Jakola Adda, Kaithal.

(Property as mentioned in the Sale Deed registered by the Registering Authority, Kaithal at Sl. No. 432 dated 25-5-1977).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 24-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

## SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 25th January 1978

Ref. No. KTL/3/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of Section 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 1/3rd share of land measuring 9 kanal 15 marlas (5850 sq. yards) situated at Patti Gaddar Kaithal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Kaithal in May, 77

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Harmit Singh s/o Sh. Inderjit Singh, 2. Smt. Narinder Kaur w/o Sh. Inderjit Singh, 3. Sh. Rajinder Singh (Minor) through their General Attorney Sh. Mangal Sen s/o Sh. Luxmi Dass, Manager, Guru Ram Dass Roller Mill, Amritsar. (Transferor)

- (2) 1. Sh. Hukam Chand s/o Sh. Jawala Dass, 2. Mrs. Neelam Lata d/o Sh. Hukam Chand, 3. Sh. Abbey Kumar s/o Sh. Roshanlal, 4. Sh. Surinder Singh s/o Ch. Narsing Dass Gujjar, 5. S/Sh. Satish Kumar, Bimal Kumar ss/o Shri Hukam Chand, 6. Smt. Vijay Rani w/o Sh. Pushpinder Kumar, All residents of Kaithal, c/o Lala Hukam Chand Sikka Prop. United Industrial Corporation, Kaithal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

## THE SCHEDULE

1/3rd share of property consisting of land measuring 9 kanal 15 marlas situated at Patti Gaddar, Kaithal. Total area of land was 5850 sq. yds. of which 1/3rd share comes to 1950 sq. yds.

(Property as mentioned in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Kaithal at serial No. 401 of the month of May, 77.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 25-1-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 25th January 1978

Ref. No. KTL/2/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/3rd share of land measuring 9 kanal 15 marlas (5850 sq. yards) situated at Patti Gaddar, Kaithal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal in May, 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Harmit Singh s/o Sh. Inderjit Singh, 2. Smt. Narinder Kaur w/o Sh. Inderjit Singh, 3. Sh. Rajinder Singh (Minor) through their General Attorney Sh. Mangal Sen s/o Sh. Luxmi Dass, Manager, Guru Ram Dass Roller Mill, Amritsar. (Transferor)

(2) 1. Sh. Hukam Chand s/o Sh. Jawala Dass, 2. Mrs. Neelam Lata d/o Sh. Hukam Chand, 3. Sh. Abbey Kumar s/o Sh. Roshan Lal, 4. Sh. Surinder Singh s/o Ch. Narsing Dass Gujjar, 5. S/Sh. Satish Kumar, Bimal Kumar s/o Sh. Hukam Chand, 6. Smt. Vijay Rani w/o Sh. Pushpinder Kumar, All, residents of Kaithal, c/o Lala Hukam Chand Sikka Prop. United Industrial Corporation, Kaithal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of property consisting of land measuring 9 kanal 15 marlas situated at Patti Gaddar, Kaithal. Total area of land was 5850 sq. yds. of which 1/3rd share comes to 1950 sq. yds.

(Property as mentioned in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Kaithal at serial No. 400 of the month of May, 77.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-1-1978.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 25th January 1978

Ref. No. KTL/6/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961 hereinafter) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of land measuring 9 kanal 15 marlas (5850 sq. yards) situated at Patti Gaddar, Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer Kaithal in November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Harmit Singh s/o Sh. Inderjit Singh, 2. Smt. Narinder Kaur w/o Sh. Inderjit Singh, 3. Sh. Rajinder Singh (Minor) through their General Attorney Sh. Mangal Sen s/o Sh. Luxmi Dass, Manager, Guru Ram Dass Roller Mill, Amritsar. (Transferor)

(2) 1. Sh. Hukam Chand s/o Sh. Jawala Dass, 2. Mrs. Neelam Lata d/o Sh. Hukam Chand, 3. Sh. Abhey Kumar s/o Sh. Roshanlal, 4. Sh. Surinder Singh s/o Ch. Narsing Dass Gujar, 5. S/Sh. Satish Kumar, Bimal Kumar ss/o Shri Hukam Chand, 6. Smt. Vijay Rani w/o Sh. Pushpinder Kumar, All residents of Kaithal, c/o Lala Hukam Chand Sikka Prop. United Industrial Corporation, Kaithal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of property consisting of land measuring 9 kanal 15 marlas situated at Patti Gaddar, Kaithal. Total area of land was 5850 sq. yds. of which 1/3rd share comes to 1950 sq. yds.

(Property as mentioned in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Kaithal at serial No. 1853 of the month of November, 1977.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 25-1-1978.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Prahlad Arora s/o Shri Jawahar Lal, H. No. 3230, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

(2) (i) Sh. Ram Kumar s/o Sh. Siri Ram, (ii) Smt. Darshana Devi w/o Sh. Ram Kumar, C/o M/s. Shakti Flour Mills, Sector 16-D, Chandigarh.

(Transferee)

Rohtak, the 25th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Rel. No. CHD/35/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. a built up Chakki constructed on plot No. CP 350 in the Main Market of Sector 16-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, Chandigarh in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property consisting of a built up Chakki in the Main Market of Sector 16-D, Chandigarh. The area of the plot is 469 sq. yards.

(Property as mentioned in the sale deed registered by the Registering Authority, Chandigarh vide serial No. 298 dated 15-6-1977).

RAVINDER KUMAR PATHANIA.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 25-1-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
14—466GI/77

## FORM ITNS—

(1) Shri Rai Sahib Ch. Partap Singh, S/o Ch. Narain Singh, R/o 57, Model Town, Karnal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Baldev Raj, (2) Inder Raj, (3) Manohar Lal sons of Sh. Budhu Ram, R/o Vill. &amp; P. O. Rare Kalan, Teh. Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 28th January 1978

Ref. No. PNP/5/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1-C, Narain Singh Park, situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panipat in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1-C, situated at Narain Singh Park, Panipat and having area of 457 sq. yards.

(Property as mentioned in the sale deed registration No. 428 dated 10-5-1977 registered in the office of Registering Authority, Panipat.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 28-1-1978,  
Seal ;

## FORM ITNS

(1) Shrimati Pabitamani Bewa, W/o Late Purna Ch. Behera.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Purna Chandra Sahu.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 16th January 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 63/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khata No. 138 situated at Angargadia (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Balasore on 1-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The land is situated at Mouza-Angargadia in Khata No. 138 under the jurisdiction of Sub-Registrar, Balasore and registered by sale document No. 3155 dated 1-6-77.

A. N. MISRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-1-78.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) (1) Shri Pratap Chandra Das, (2) Prakash Chandra Das.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Bintoo Devi Kedia, W/o Nandalal Kedia.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 21st January 1978

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 66/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 1062/1 situated at Town Bisinabar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 15-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

## THE SCHEDULE

Homestead land located at Mouzt-Town Bisinabar in Khata No. 1062/1 under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by sale document No. 3075 dated 15-6-77.

A. N. MISRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 21-1-78.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) (1) Prabhas Ch. Das, (2) Pravat Chandra Das,  
(3) Droupadi Das.

(Transferor)

(2) Shrimati Bintoo Devi Kedia, W/o Nandalal Kedia.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 20th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons.  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immove-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. 65/77-78/1AC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N.  
MISRA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'),have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. 3190 situated at Town Bisinabar  
and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 13-6-1977for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of theaforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or exasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Homestead land located at Mouza-Town Bisinabar, over  
Plot No. 3190 under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar,  
Cuttack and registered by sale document No. 3050 dated  
13-6-77.A. N. MISRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 20-1-78.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gaikwad Real Estate Traders, through power of attorney Holder, Shri Ragunath Babaji Magvekar, Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Ganeshbhaiya Shukaibhaiya Pardeshi, Baroda;

(2) Shri Dayaram Basarmal Punjabi, Ajmer.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAVAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 5th January 1978

Ref. No. Acq-23-I-1290(625)/10-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3846, situated at Dwarka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalyanpur on 9-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 10963/78 sq. metres bearing S. No. 3846, situated at Dwarka, District Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 667, dated 9-6-77.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Dated : 5-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rajnikant Laxmichand Sanghvi, Commerce College, Principal's Bungalow, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 13th January 1978

Ref. No. Acq.23-I-1314(628)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final No. 9, Sub-Plot No. 1, of T.P.S. No. 20, situated at Wadej

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-6-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) (i) Shri Nandlal Laxmichand Sanghvi, Commerce College, Principal's Bungalow, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(ii) Shri Nandlal Laxmichand Sanghvi,

(iii) Shri Lashwantlal Laxmichand Sanghvi, 16, Sthanakwadi Society, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of the second floor of the building standing on land admeasuring 233 sq. meters bearing P.P. No. 9, S.P. No. 1 of T.P.S. 20, situated at Wadej and as fully described in the sale deed registered vide regn. No. 4185 dtd. 27-6-1977.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 13-1-1978

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Ardesar Harmasji Bharucha, Flat No. 1, 1st Floor, Nagina Mahel, Vir Nariman Road, Church Gate, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Nagjibhai Vashrambhai, 2. Shri Jayrambhai Vashrambhai; Monpur, TAL. Vallabhipur, Dist. Bhavnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th January 1978

Ref. No. 542 Acq.-23-960/19-8/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and being No.

2827 & 2828 Apart, Ward No. 12, situated at Saiyedpura, Near Parsi Agiary, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 23-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building (under construction) bearing Nondh No. 2827-2828-A of Ward No. 12, situated at Saiyedpura, Near Parsi Agiary, Surat admeasuring 51 sq. yds. and 47-7 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 1187 in the month of June, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Dated : 12-1-1978

Seal :



## FORM FTNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th January 1978

No. Acq. 23-I-543(631)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 33 and 34, S.P. No. 12-B, TPS No. 15, situated at Ellisbridge, Usmanpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-6-1977

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, 15-466GI/77

1. Shri Harshadbhai Chandrakant Raval,  
Dariapur Patel Co-op. Housing Society Ltd.,  
Usmanpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

2. (1) Shri Ramanlal Purshottamdas Patel,  
(2) Shri Zaverbhai Purshottamdas Patel,  
(3) Shri Naginbhai Purshottamdas Patel,  
(4) Shri Rameshchandra Somabhai Patel,  
All residing at Bungalow No. 23,  
Mahadev Nagar Society,  
Stadium Road,  
Ahmedabad-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A three-storeyed building standing on land admeasuring 231 sq. yds bearing Final Plot No. 33 and 34, Sub-Plot No. 12-B, situated in T.P.S. No. 15 on Somnath Road, Usmanpura, Ahmedabad.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 19-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st January 1978

Ref. No. P.R. Nos. 546 Acq. 23-978/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 342-B of Ward No. 10, situated at Bhaga Talav, Near Gandhi Chowk, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Babubhai Ramniklal Mehta,  
Gnandeep Society, Athwa Lines,  
Surat.
- (2) Shri Sureshchandra Ramniklal Mehta,  
Gnandeep Society, Athwa Lines,  
Surat.

(Transferor)

2. Shri Adamji Musaji Badat,  
Ankleswar, Dist. Bharuch.  
P.A. Holder,  
Shri Mohmed Shabbir Ahmed Gheewala,  
Rampura, Chhadaole,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Nondh No. 342-A and 342-B of Ward No. 10, situated at Bhaga Talav, Near Gandhi Chowk, Surat admeasuring sq. mts. 25-32-05+37-38-97=62-71-02 as described in sale deeds registered under registration Nos. 841 & 842 in the month of May, 1977 by the Registering Officer, Surat.

D. C. GOEL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 21-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd February 1978

Ref. No. LDH/44/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-V 1143 measuring 136½ Sq. yds. situated at Mohalla Sonia, Purana Bazar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gianwati Wd/o Sh. Uttam Chand  
r/o No. BV 1143 Mohalla Sonia,  
Purana Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) M/s Hira Moti Hosiery & Textile Mills,  
Purana Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-V 1143 measuring 136½ Sq. yds situated in Mohalla Sonia, Purana Bazar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 475 of May, 1977, of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2-2-1978  
Scal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd February 1978

Ref. No. LDH/76/77-78 —Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. B-29, Measuring 222-2/9 Sq yds. situated at Industrial Estate, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Varinder Gupta s/o  
Shri Om Parkash Gupta,  
(ii) Smt. Chander Kanta w/o  
Shri Om Parkash Gupta,  
r/o B-10, 30 Iqbal Ganj,  
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Vishava Mitter son of  
Shri Gian Chand, Proprietor,  
Nayar Metal Works, Ludhiana,  
Industrial Area 'B' Ludhiana  
r/o B1, 803, Prem Nagar,  
Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot bearing No. B-29 measuring 222-2/9 Sq yds. situated at Industrial Estate, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 685 of May, 1977, of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2-2-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Shanti Devi, w/o Shri Sadhu Ram,  
307-Chowk Neemwala, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) (i) S/Shri Nirmal Kumar Jain,  
(ii) Anil Kumar Jain,  
sons of Shri Dharam Parkash Jain,  
Rs/o Civil Lines, Gupta Building, Ludhiana.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the 2nd February 1978

Ref. No. LDH/75/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

675 sq. yds. out of 1350 sq. yds one open plot of land No. B-XIX/328/1, situated at Dr. Sham Singh Road, Civil Lines, Ludhiana,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One open plot of land measuring 675 sq. yds. out of 1350 sq. yds. bearing No. B-XIX/328/1, situated in Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 678 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1978  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Shanti Devi, w/o Shri Sadhu Ram,  
307-Chowk Neemwala, Ludhiana.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA**

Ludhiana, the 2nd February 1978

Ref. No. LDH/104/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 675 sq. yds. out of 1350 sq. yds. one open plot of land No. B-XIX/328/1

situated at Dr. Sham Singh Road, Civil Line, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) (i) S/Shri Komal Kumar Jain,  
(ii) Parphul Kumar Jain,  
sons of Shri Dharam Parkash Jain,  
Rs/o Civil Lines, Gupta Building, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One open plot of land measuring 675 sq. yds. out of 1350 sq. yds. situated in Dr. Sham Singh Road, Ludhiana, bearing No. B-XIX/328/1.

Property as mentioned in the registered deed No. 925/June, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

**NATHU RAM**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2-2-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd February 1978

Ref. No. LDH/59/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

½ share of a House measuring 108 Sq. yds. situated at Purana Bazar Ludhiana, No. 3.372 Mohalla Vakilana, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) S/Smt. Sarla Baeri  
(ii) Nirmala Verma  
D/o Smt. Bhagwanti Wd/o  
Sh. Harbhagwan Dass  
residents of Ambala City Now Purana Bazar,  
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Gurcharn Singh son Shri Gurdial Singh  
B. 3.372 Purana Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ share of a House measuring 108 sq. yds. situated in Purana Bazar No. B3.372 Mohalla Vakilana, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 579 of May, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2-2-1978

Seal :

**FORM ITNS—**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING.  
LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd February 1978

Ref. No. LDH/60/77-78.—Whereas I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 share of House No. B-3 372 measuring 108 Sq. Yrds. situated at Mohalla Vakilana, Purana Bazar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri Bhim Sen Bhalla son of  
Shri Gokal Chand  
r/o No. B-3.372, Mohalla Vakilana  
House No. 372 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Gopal Singh son of  
Shri Babu Singh  
r/o B-3.372  
Mohalla Vakilana, Purana Bazar,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1 share of a House No. B-3.372 P measuring 108 Sq. yds. situated in Purana Bazar Mohalla Vakilana, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed. No. 580 of May, 1977, of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2-2-1978

Seal :



## FORM ITNS—

(1) M/s. Thakurdas Pusalal Gupta  
R/o Tumsar, Distt. Bhandara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ramchandra Ladharam Pahwa  
R/o Gandhibagh, Nagpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF  
CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 5th December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

No. IAC/ACQ/53/77-78.—Whereas, I, H. C. Shrivastava,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

No. Portion of plot No. 1, Nawab area & Gokulpeth (Gore-  
peth) Layout, 752 sq. Mtr. situated at Nagpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Nagpur on 4-6-1977

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Portion of NIT Plot No. 1, with R. C. coloumn, 752 Sq  
Mtr. Nawab area Gokulpeth (Gorepeth) layout, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

16—466GI/77

Date : 5-12-77.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF  
CHAMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 6th December 1977

No. IAC/ACQ/54/77-78.—Whereas, I H. C. Shrivastava, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/3rd, Share in Plot Nos. 106, 105 area 18,000 Sqr. ft. House No. 107 & 108 (Old) New Ramdashpeth, Nagpur, situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 23-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Naranjanlal Ramvallabh Khemka,  
2. Shri Sunilkumar Naranjanlal Khemka,  
3. Smt. Kukkumbai Naranjanlal Khemka,  
all R/o Mount Road, Nagpur

Transferor

4. Shri Vijaiprakash Beniprasad Kanoria,

5. Shri Jaiprakash, Beniprasad Kanoria,  
all R/o Ghat Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2/3rd, Share in plot Nos. 106, 105 area 18,000 Sqr. ft. House Nos. 107 & 108 (Old) House No. 113 Ward No. 72 (Old No. 41) New Ramdashpeth, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 6-12-1977.

## FORM ITNS—

(1) Shri Sambha Tusi am Khot,  
Chandanbai layout, Nagpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Zingruji Fakiraji Selukar,  
Chandanbai layout, Nagpur.2. Shri Ramaji Zingruji Selukar,  
Timik, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF  
CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur the 14th December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

No. IAC/ACQ/56/77-78.—Whereas, I H. C. Shrivastava,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value

exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Portion of Plot No. 515, Constructed area 742 and total  
area 3015 Sqr. ft. Chandanbai layout situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of Registering Officer

at Nagpur on 3-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Portion of Plot No. 515 constructed area 742 Sqr. ft. and  
total area 3015 Sqr. ft. Chandanbai layout, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 14-12-1977.

Seal :

**FORM ITNS—**(1) Shri Fulchand Nathmal Sharma,  
New Shukrawari, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Puranlal Ramniwas Agarwal,  
Prop : M/s. Prakash Traders,  
Imambada Road, Nagpur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF  
CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 11th January 1978

No. IAC/ACQ/57/77-78.—Whereas, I H. C. Shrivastava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. N.I.T. Plot No. 9, 5449 Sqr. ft., Cir. No. 2, Div. No. 1, House No. 912 (New), Imambada Road, Nagpur situated at Nagpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nagpur on 13-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N.I.T. Plot No. 9, 5449 Sqr. ft., Cir. No. 2, Div. No. 1, Ward No. 5, House No. 912 (New) Imambada Road, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Kamalkumar Niranjanlal Khemka,  
2. Shri Niranjanlal Ramvallabh Khemka,  
3. Shri Sushilkumar Niranjanlal Khemka,  
4. Smt. Rukhaminibai Niranjanlal Khemka,  
all R/o Mount Road, Nagpur.

(Transferor)

- (2) 1. Vijaiprasad Beniprakash Kanoria.  
2. Shri Jaiprakash Beniprasad Kanoria,  
all R/o Ghat Road, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF  
CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 6th December 1977

No. IAC/ACQ/54/77-78.—Whereas, I H. C. Shrivastava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/3rd, Share in Plot Nos. 106, 105 area 18,000 Sqr. ft. House No. 107 & 108 (Old) New Ramdaspath, Nagpur situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 23-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2/3rd, Share in plot Nos. 106, 105 area 18,000 sqr. ft. House No. 107 & 108 (Old) House No. 113, Ward No. 72 (Old No. 41) New Ramdaspath, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 6-12-1977.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 23rd January 1978

Ref. No. F.3871/May/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 94/4 in No. 129 Pammal village, Pallavaram (Godown building and premises (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc. No. 390/77) on 27-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri A. N. Parasuram; 2. Shri A. P. Narayanan; 3. Shri A. P. Venkatachalam; 4. A. P. Krishnamurthy; 5. Shri A. P. Ananthapadmanabhan; 6. Shri A. P. Srinivasan, No. 26/2 Sait Colony, II Street, Egmore, Madras 600 008.

(Transferor)

- (2) M/s. Bhuvaneswari & Co., Old Tunk Road, Madras 600 043.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown building and Premises (Superstructure alone) bearing Door No. 71 Thiruncermalai Road, Madras-44 built on land bearing Survey No. 94/4 in No. 129, Pammal village, Pallavaram, Saidapet Taluk.

(Document No. 390/77).

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 23-1-78,  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. S. Sivaram Iyer, No. 17 M. K. N. Road,  
Alandur, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri D. Nagalingam, No. 590 M. K. N. Road,  
Alandur, Madras.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 30th January 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

Ref. No. F.3869/May/77.—Whereas, I, K. PONNAN,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 15, 16 and 17, situated at M. K. N. Road, Alandur,  
Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Alandur, Madras (Doc. No. 174/77) on May, 1977  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the 'said Act'  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Land & building bearing Nos. 15, 16 and 17 M. K. N.  
Road, Alandur, Madras (S. No. 4/1).

K. PONNAN.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons  
namely :—

Date : 30-1-78.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) SHRI D. Venkateswaran, No. 18/11 Cambridge Road, Ulsoor, Bangalore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) SHRI M. O. Srinivasa Iyengar, Door No. 15/12-A, Bhaathi Park Road, Coimbatore-11.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 30th January 1978

Ref. No. F.4294/May/77.—Whereas, I. K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 15/12-A, situated at GS No. 345/1, 354, 353, 356/1 TS No. 12/135/4 Sanganoor village, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 379/77 on 13-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 15/12-A T. S. No. 12/135/4—G. S. No. 345/1, 354, 353, 356/1 Sanganoor village, Coimbatore Taluk.

K. PONNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 30-1-78.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 30th January 1978

Ref. No. 4302/May/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door Nos. 308 to 334, situated at S. No. 283/1 Sanganoor village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 391/77) on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

17—466GI/77

(1) Shri S. Ramasami Gounder; 2. Shri K. S. Pattiya Gounder; 3. Velammal; and 4. Venkattammal, Door Nos. 308 to 334, 4th St., Kuppakonampudur, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. M. Ramakkal W/o Shri N. Venkatachala Gounder Thirumurugan Oil Mills, No. 31/56 Thiyagi Kumaran St. Desa Gounder Lane, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 308 to 334; S. No. 283/1 Sanganoor village, Coimbatore.

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 30-1-78.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri R. Kulasekar S/o Shri Ramakrishna Naidu,  
Avaramvalayam, Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. N. Jayamani and Shri D. Narayanasami No.  
2/5 Balaji Nager, Avaramyalam Road, Coimba-  
lore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th January 1978

Ref. No. 4309/May/77.—Whereas, I, K. PONNAN,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a  
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. TS No. 10/158/2 situated at Krishnarayapuram village,  
Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
JSR I Coimbatore (Doc. No. 1167/77) on 31-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-  
lieve that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer and/  
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing T. S. No. 10/158/2 Krishna-  
rayapuram village, Coimbatore Town. (Doc. No. 1167/77).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 30-1-78.  
Seal

## FORM ITNS

(1) Shri Rameshower Prashad and Harish Chander  
Sons of Shri Kalyanmal Punani Dhanmandi, Kota.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Krishna Devi W/o Sh. Rajendra Kumar  
Plot No. 29, New Anaj Mandi, Kota.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Jaipur, the 24th January 1978

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj/IAC/(Acq.)/381.—Whereas, I, M P VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29, New Anajmandi situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 6-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

North Portion of House and one shop constructed upon Plot No. 29, New Anaj Mandi Kota, more fully described in the sale deed Registered by sub Registrar, Kota vide his entry No 444 dated 6-5-77

M P VASISHTHA

Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date 24-1-1978

Seal

## FORM ITNS—

(1) Shri Rameshower Prashad and Harish Chander  
Sons of Shri Kalyanmal Purani Dhanmandi, Kota.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Rajendra Kumar S/o Sh. Kanhiyalal Mahajan.  
New Anaj Mandi, Kota.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th January 1978

Ref. No. Raj/IAC/(Acq.)/382.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29, New Anajmandi situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 6-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

South Portion of House constructed upon Plot No. 29, New Anaj Mandi, Kota morefully described in the sale deed Registered by sub Registrar Kota vide his entry No. 445 dated 6-5-77.

M. P. VASISHTHA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 13th January 1978

Ref No A-145/Gau/77-78/1245-48.—Whereas, 1. EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 356 and K. P. Patta No. 10 situated at Village Jatia Mouza Beltola P. S. Gauhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 15-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandan Hazarika S/o Late Indra Hazarika, Village Jatia, Mouza Beltola at present Chandmari, Gauhati.

(Transferor)

(2) 1. Shri Arun Sankar Bhaduri, 2. Shri Amitava Sankar Bhaduri S/o Late Amulya Chandra Bhaduri, 3. Shri Arup Sankar Bhaduri S/o Shri Arun Sankar Bhaduri all Sonapur Tea Company, P. O. Sonapur, Dt. Kamrup.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

and measuring 2 (two) bigha, 3 katha of Dag No. 356 and K. P. Patta No. 10 of village Jatia, Mouza Beltola P. S. Gauhati, Dist. Kamrup (Assam) along with a godown measuring 11500 sq. ft. (approximately)

EGBERT SINGH,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 13-1-78  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th January 1978

Ref. No. AP-84/BP/77-78.—Whereas, J. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Hakim Singh s/o Sh. Mal Singh, R/o Patti Kuddo, Jaitu.

(Transferor)

- (2) Sh. Major Singh, Sh. Lachhman Singh, Sh. Surjit Singh s/o Sh. Narain Singh, R/o Patti Kuddo, Jaitu.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44 Bighas and 5 Biswas in Jaitu as mentioned in sale deed No. 573 of June, 1977 registered with the S. R. Jaitu.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 28-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th January 1978

Ref. No. AP-85/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number No. As per schedule situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Puran Singh s/o Sh. Kirpal Singh, Jaitu.  
(Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar s/o Sh. Hargobind Rai etc. Jaitu Mandi.  
(Transferee)
- (3) As per S No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 Bighas and 11 Bkwas in Jaitu as mentioned in sale deed No. 400 of June, 1977 registered with the S. R. Jaitu.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 28-1-1978.  
Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Sh. Tilak Ram s/o Sh. Chandu Ram, V. Mansa Kalan.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) (1) Smt Vidya Devi w/o Sh. Pyara Lal, (2) Shri Pyara Lal s/o Sh. Chanan Ram, (3) Shri Banarsi Das s/o Sh. Bishna Mal, V. Mansa

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda. the 28th January 1978

“(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

“(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Ref. No. AP-86/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 72 kanal and 13 Marlas situated in village Mansa Kalan as mentioned in sale deed No. 2012 of June, 1977 registered with the S. R. Mansa.

P. N. MALIK,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 28-1-1978.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th January 1978

Ref. No. AP-87/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per shedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—466GI/77

- (1) Shri Sadhu Singh s/o Sh. Santa Singh, Patti Kuddo, Jaitu.

(Transferor)

- (2) Sh. Sukhdev Singh, Sh. Jagga Singh, Sikandar Singh s/o Sh. Bachan Singh, R/o Jaitu.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 21 Bighas and 8 Biswas in Jaitu as mentioned in sale deed No. 716 of July, 1977 registered with the S. R. Jaitu.

P. N. MALIK,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 28-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Lal Singh s/o Sh. Ram Singh s/o Sh. Jaimal Singh, V. Mari, Teh. Moga.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 28th January 1978

Ref. No. AP-88/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Mehal (Zira) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on Aug., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sh. Sudagar Singh s/o Sh. Maghar Singh s/o Sh. Jawahar Singh, V. Mehal, Teh. Zira.

(Transferee)

“(3) As per S. No. 2 above,  
(Person in occupation of the property)

“(4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals and 10 Marlas in village Mehal, Teh. Zira as mentioned in sale deed No. 4199 of August, 1977 registered with the S. R. Moga.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 28-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd February 1978

Ref. No. AP-89/ BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Harcharn Singh, Advocate s/o Sh. Nirmal Singh s/o Sh. Attar Singh of Ferozepur  
(Transferor)

- (2) Smt. Asha Rani w/o Sh. Krishan Lal s/o Sh. Jagan Nath, Opp. State Bank of Patiala, The Mall, Ferozepur City.  
(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 14 marlas situated at the Mall, Ferozepur City as mentioned in sale deed No. 408 dated 19-5-1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 2-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd February 1978

Ref. No. AP-90/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harcharn Singh, Advocate s/o Sh. Nirmal Singh s/o Sh. Attar Singh of Ferozepur.  
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Lal s/o Sh. Jagan Nath s/o Sh. Chanan Ram, R/o The Mall, Opp. State Bank of Patiala, Ferozepur City.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 14 marlas situated at the Mall, Ferozepur City as mentioned in sale deed No. 1427 of June, 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 2-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd February 1978

Ref. No. AP-91/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Harbans Singh s/o Sh. Harlok Singh s/o Sh. Asa Singh, R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) S/Sh. Pyara Singh, Kundan Singh, Dara Singh ss/o Sh. Labh Singh s/o Sh. Mukha Singh, R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 Kanals and 13 Marlas in Abohar as mentioned in registration deed No. 520 of June, 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 2-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd February 1978

Ref. No. AP-92/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on June, 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Sh. Boor Singh Urf Buta Singh s/o Sh. Tarlok Singh s/o Sh. Asa Singh, R/o Abohar.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Pyara Singh, Kundan Singh, Dara Singh ss/o Sh. Labh Singh s/o Sh. Mukha Singh, R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above,  
(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property,  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 52 Kanals in Abohar as mentioned in sale deed No. 546 of June, 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 2-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Km. Harbans Kaur w/o Shri Balbir Singh d/o Ch. Kishan Chand r/o 29/21, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Ramesh Chander, Vipan Khanna, Vinod Khanna s/o Shri Tulsi Dass Khanna r/o 5/20-C, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
NEW DELHI-110001,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi-110001, the 28th January 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/41/May.II(3)/77-78.—Whereas, J. J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 2641/178/3/2 situated at Bijwasan, Tehsil Mehrauli (Delhi State)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17/5/1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural Land measuring old Khasra No. 2641/178/3/2 (New Khasra No. 188/3) alongwith Tubewell fencing &amp; construction of channals and boundery wall etc. situated at village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

J. S. GILL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 28th January 1978

Ref. No. JAC/Acq.I/SR111/May-II(14)/45/77-78.—  
Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I-1/102, situated at Lajpat Nagar-I, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Janak Kumari Wd/o Shri Om Parkash and Smt. Anita Kumari w/o Shri Kuldip Kumar r/o I-1st/101, Lajpat Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. C. Nangia s/o Late Sh. G. R. Nangia r/o 4/17-A, Jangpura-B, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A built immovable property No. I-1/102, measuring 100 sq. yds. with lease hold rights situated at Lajpat Nagar, New Delhi & bounded as under :—

East : I-I/11, Lajpat Nagar, New Delhi,  
West : I-I/101,  
North : Road & then Park  
South : Lane

J. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 28-1-1978.

Seal :



## FORM ITNS

(13) Shri Purshotam Dev s/o Sh. Harbhajan Lal r/o  
123, Avtar Singh Road, Agra Cantt (UP).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Wing Commander A. N. Zutshi s/o Sh. P. N.  
Zutshi r/o A-59, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-1(110001)  
New Delhi, the 28th January 1978Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.Ref. No. IAC/Acq I/SRIII/51/May II/77-78.—Whereas,  
I, J. S. GILL,being the Competent Authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. A-59, situated at Defence Colony, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
New Delhi on 24-5-1977for an apparent consideration  
which is less than the fair market valueof the aforesaid property and I have reason to believe that  
the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957),Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

19—486G1/77

## THE SCHEDULE

Single storeyed building constructed on plot No. A-59,  
Defence Colony, New Delhi 24, measuring 217 sq. yds.  
(approximately 181.44 sq. meters) consisting of one drawing  
dining room, two bed rooms, one kitchen, one bath room,  
one lavatory, front and rear verandahs, with existing sanitary  
water and electric fittings and fixtures and built in furniture,  
bounded as under :—South : House No. A-58  
North : House No. A-60  
East : Service Lane  
West : RoadJ. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 28-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Khariti Lal Suri s/o Late Sh. Raja Ram Suri  
r/o 13/83, Punjabi Bagh, Delhi-26.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Avtar Krishan Puri s/o Late Sh. Roop Chand  
Puri c/o A-106, Daya Nand Colony, Lajpat Nagar-  
IV, N. Delhi-24.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI DOAD,  
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 28th January 1978

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

A built up House No. E-55, measuring 200 sq. yds. situa-  
ted at Kalkaji New Delhi and bounded as under :—

East : Property No. E-57  
West : Property No. E-53  
North : Road  
South : Service Lane

J. S. GILL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 28-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 4th February 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1298/77-78/5520—Whereas, I,  
N. S. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20 situated at Rajpur Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 5-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Arun Krishan Pahwa s/o Late Shri Amrit Lal Pahwa, r/o 20 Rajpur Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Urmil Bajaj w/o Sh. Surinder Kumar Bajaj r/o 20 Rajpur Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land measuring 191.4 sq. yds bearing No. 20 Rajpur Road, Delhi-110054 and bounded as under:—

North : Property of Ran Krishan Pahwa and Deepak Krishan Pahwa.

South : Others property and common passage

East : Remaining portion of property of Sh. Arun Krishan Pahwa

West : Govt. property

N. S. CHOPRA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 4-2-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Cochin-6820 16, the 5th January 1978

Ref. L. C. No. 161/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Cannannore Municipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Cannannore on 20-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Indira Amma, w/o Dr. P. K. Kumaran, Retd. Civil Surgeon, "Deepa", Palghat.

(Transferor)

(2) (i) N. J. Dhanvantrai, (ii) Mrs. Jyothi D. Joshi, (iii) Prakash Chandra, (iv) Mrs. Surbhi P. Joshi C/o M/s Jayashankar Shivshankar, Camp Bazar Cannannore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

33 cents of land with buildings in Sy. Nos. 332 & 333 (R. S. No. 431 & 432) of Cannannore Municipality.

C. P. A. VASUDEVAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 5-1-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri V. Sulochana, Linabhavan, Chemmaruthi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sathyadevan, K. P. S. Nivas, Pullanikode,  
Varkala.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Cochin-6820 16, the 1st February 1978

Ref. No. L.C. No. 167/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Varkala village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varkala on 3-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

29 Cents of land in Sy. No. 2620/1 of Varkala village.

C. P. A. VASUDEVAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 1-2-1978

Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 545.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 603 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhimavaram on 8-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) I. Gandham Gopala Vittal, S/o. Venkayya Naidu,  
2 G. Nagavenkayya, minor by guardian father G.  
Gopalavittal, Bhimavaram, W. G. Dt  
(Transferor)(2) Shrimati Kyanam Rukminidevi, W/o Jagadeswararao,  
16th Ward Gunupudu, Bhimavaram.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1507/77 registered before the Sub-registrar, Bhimavaram during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kakinada

Date . 5-1-78

Seal :